तापमान
अधिकतम 27.0 डिग्री
न्यूनतम 14.0 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, रविवार,16 मार्च 2025

10 मेयर ने ककरोई रोड पर निर्मित जल शोधन ...

12 पहले गली में की फायरिंग, बचकर भागा तो पीछा ....

खबर संक्षेप

अभिभावक बच्चों को शिक्षित अवश्य बनाएं : रामरति

गोहाना। गांव सिकंदरपुर माजरा स्थित बाबू मूलचंद जैन राजकीय उच्च विद्यालय में एक सेमीनार आयोजित किया गया। यह सेमीनार नए शैक्षणिक सत्र में विद्यालय में बच्चों के दाखिले बढ़ाने को लेकर आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि गांव की सरपंच रामरति देवी ने कहा कि शिक्षा से ही समाज व राष्ट्र का उत्थान संभव है। जिस व समाज व देश के नागरिक जितने अधिक शिक्षित होंगे वह समाज उतनी ही तेजी से विकास करेगा। ऐसे में अभिभावक अपने बच्चों की शिक्षा पर ध्यान दें। वे अपने बच्चों को शिक्षित बनाने के लिए विद्यालयों में दाखिला करवाएं। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्याध्यापिका कमला देवी ने की। मंच संचालन अध्यापक कृष्ण सिवाच ने किया। कार्यक्रम में नवीन शर्मा, धर्मपाल शास्त्री, शिक्षक सुरेंद्र, भाजपा नेता सुधीर, सुमन देवी, अशोक, सुरेश, प्रवेश, रविन्द्र और संदीप मौजूद रहे।

सोनीपत। कार्यक्रम में पहुंचें डॉ. स्वामी दिव्यानंद महाराज भिक्षु साथ में श्रद्धालुगण। फोटो : हरिभूमि

गीता अमृत महोत्सव ज्ञान भक्ति यज्ञ का आयोजन

सोनीपत। श्री सेवा समिति महाबीर दल द्वारा हनुमान मंदिर नंदवानी नगर में गीता अमृत महोत्सव ज्ञान भक्ति यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। यज्ञ के तीसरे दिन डॉ. स्वामी दिव्यानंद महाराज भिक्षु ने अपने संबोधन में में गीता को सच्चा ज्ञान बताया। महाराज ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने गीता का ज्ञान दिया था, ताकि मानव मात्र की भलाई हो सके। कार्यक्रम के दौरान संस्था के प्रधान हरीश चावला ने बताया कि रविवार को समारोह का समापन किया जाएगा।

पांची जाटान स्थित टावर से बैटरी के सेल चोरी

गन्नौर। गांव पांची जाटान स्थित टावर से चोर बैटरी के सेल चोरी कर ले गए। विभाग के जेई ने चोरी की शिकायत गन्नौर थाना पुलिस को दी है। शिकायत में बीएसएनएल के जेई सुधीर कुमार ने बताया कि पांची जाटान में विभाग का टावर है। वह 1 मार्च को टावर पर बिजली संबंधित काम देखने गए थे। जब वह टावर पर पहुंचे तो टावर से बैटरी के सेल गायब मिले।

डराने के इरादे से अनाज मंडी में हवाई फायर

खरखौदा। जसौर खेड़ी के विकास ने खरखौदा पुलिस थाना में मामला दर्ज कराया है। उसने बताया कि वह अनाज मंडी खरखौदा में दुकान नंबर 21 पर काम करता है। गत 14 मार्च को शाम करीब 7.20 बजे वह दुकान के बाहर खड़ा था। तभी युवक सफेद रंग की क्रेटा चलाते हुए वहां से गुजरा। उसने कार का शीशा खोलकर डराने के मकसद से हवाई फायर किया।

फरसे मार बेड और दरवाजे तोड़े, पुलिस तलाश में जुटी

होली पर हुड़दंग, 90 से ज्यादा लोग अस्पताल में उपचार के लिए पहुंचे

चिकित्सक दिनभर घायलों के उपचार में लगे रहे। गंभीर हालत के चलते कई घायलों को दूसरे अस्पतालों में भी रेफर किया। होली पर अलग-अलग मामलों में 52 एमएलसी काटी गई है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

होली के पर्व पर हुड़दंगियों ने खूब हुडदंग मचाया। इस दौरान लड़ाई-झगड़ों और हादसों में घायल होकर 90 से ज्यादा लोग पहुंचे। होली के चलते अस्पताल में इमरजेंसी ड्यूटी लगाई गई थी। चिकित्सक दिनभर घायलों के उपचार में लगे रहे। गंभीर हालत के चलते कई घायलों को दूसरे अस्पतालों में भी रेफर किया गया। होली पर अलग-अलग मामलों में 52 एमएलसी काटी गई है। संबंधित थाना पुलिस ने मामलों में जांच शुरू कर दी है।

गांव दीपालपुर निवासी विक्की कुमार ने बताया कि शुक्रवार को वह अपने खेत में गया था। इस दौरान गांव का अजीत और खेवड़ा गांव का एक उसके पिग फार्म पर आए। दोनों फरसे और लाठी डंडे दिखा कर श्रमिकों को डराया धमकाया। इस दौरान आरोपितों फरसे मार कर बेड और चारपाई तोड़ दी। इसके बाद अंजीत अपने भाई संजीत, मंजीत और धर्मेंद्र के साथ उनके घर में घुसने लगे। उनसे बचने के लिए अपने दरवाजे बंद किए तो आरोपितों ने दरवाजों पर फरसे मारे। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने छानबीन कर मामला दर्ज कर लिया है। सूचना के बाद टीम मौके पर पहुंची तो आरोपित कई युवक घर के बाहर फरसे लहरा रहे थे। इस दौरान अजीत से मामले को लेकर पूछताछ की तो उसने पुलिस के सामने भी बदला लेने और जानलेवा हमला करने की धमकी दी। गांव में खुले आम फरसे लहराने से गांव के अन्य लोग भी सहम गए। गांव में होली का त्योहार फीका रहा। जांच अधिकारी एचसी शिवओम ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

ये लोग हुए घायल

दिव्या ओसराम फैक्ट्री निवासी कश्मीरी देवी खटीक मोहल्ला दीपक कबीरपुर विकास सोनीपत मनजीत सोनीपत जाहिर सोनीपत जोगिंदर पपिया देवी आदर्श नगर राजू देवी आदर्श नगर पूजा पार्वती राजकुमार सोनीपत दुर्भावती देवी सोनीपत सागर जटवाड़ा गौरव सोनीपत आंचल सेक्टर 15 योगेश सोनीपत रामेश्वरी देवी नंदवानी नगर दिलबाग इंदिरा कॉलोनी रीना सोनीपत नवीन सोनीपत पवन नरेंद्र नगर नीरज मुरथल रामकली मुरथल संदीप सोनीपत गौरव सोनीपत लता अर्जुन सोनीपत नरेंद्र सोनीपत कशिश सोनीपत अनमोल 8 मरला अनिल इंदिरा कॉलोनी सौरव नंदवानी नगर रोहित मलिकपुर अर्जुन सोनीपत मोहित सोनीपत जगबीर मॉडल टाउन आकाश सोनीपत प्रवीण खेवरा श्याम सोनीपत सतपाल सोनीपत गौरव बुराड़ी रवि खेती मुनाजात वजीर खेड़ी मुनाजात मनदीप विकास विपिन दीपक संदीप सोनीपत मनजीत कालूपुर दिलवा कालूपुर रवि कालूपुर देशात सेक्टर 23 रोहित असावरपुर आकाश आशापुर अशोक भवापुर सतवीर सोनीपत साहिल सोनीपत अंजू मलिकपुर अमित बुराड़ी जयपाल हरियाणा कृष्णा हरियाणा राकेश भवापुर संदीप सेक्टर 16 साहिल बहालगढ़ भीम सिंह बीसवां मील सचिन सोनीपत आशीष भवापुर सचिन भवापुर गीता बड़ौली जोगिंदर पुलिस लाइन जोगिंदर मेहंदीपुर दीपक पटेल नगर आशु सोनीपत हरिओम तिहाड़ काला अंग्रेज सिंह तिहाड़ कल रामकरण प्याऊ मनिहारी अनुराधा खटीक बस्ती सती सैंडल कल इंद्रावती जुआं अनु जुआं सुदेश जुआं शमशेर जुआं आदि अलग-अलग मामलों में घायल होकर नागरिक अस्पताल में पहुंचे।

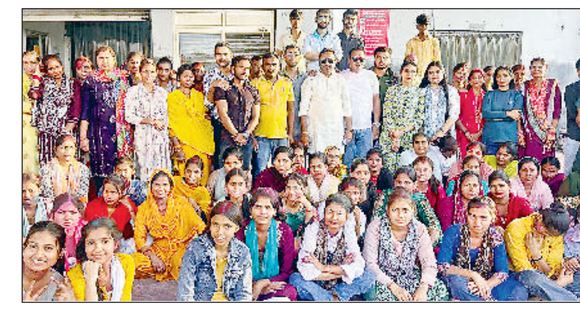

कंपनी कर्मचारियों ने जल रहित होली मनाई

गन्नौर। कामी रोड स्थित इविया ब्यूटी प्राइवेट लिमिटेड में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें कंपनी के प्लांट हेड मनोज कुमार ने कंपनी के कर्मचारियों को जल रहित होली मनाने का आह्वान करते हुए कहा कि होली भाईचारे प्रेम प्यार का पर्व हे। हमें प्रेम प्यार से होली मनानी है। इसा मौके पर चन्द्रशेखर, बालेश, प्रताप, राहुल प्रजापति, एचआर मनीषा, कृष्ण, रितेश, सुखदीप, विवेक, रूचि, अशोक, केसर आदि मौजूद रहे।

विधायक गहलावत ने कार्यकर्ताओं संग मनाई होली

राई। राई विधायक कृष्णा गहलावत ने होली के मौके पर कार्यकर्ताओं को गुलाल का तिलक लगाकर होली मनाई और होली पर सुख, शांति व समृद्धि का संदेश दिया। विधायक गहलावत ने कहा कि होली प्रेम प्यार का पर्व है। हमें आपसी भेदभाव को भूलाकर आपस में प्रेम से होली मनानी चाहिए। गहलावत ने कार्यकर्ताओं को मुंह भी मीठा करवाया। इस मौके पर काफी संख्या में हलके के कार्यकर्ता आवास पर पहुंचे और होली मनाई।

होली पर राजलू गढ़ी गांव शाहपुर तगा में लगा मेला

गन्नौर। होली के अवसर पर गांव राजलू गढ़ी में दादा बाले खा पर विशाल मेला लगा। आसपास के गांवों की काफी संख्या में पहुंची महिला व पुरूषों ने पूजा अर्चना के बाद मन्नत मांगी वहीं बच्चों ने मेले में खरीददारी की। वहीं गांव शाहपर तगा में बाबा मोहनादास की समाधि पर लोगों ने पूजा अर्चना कर मन्नत मांगी। मेले में आसपास के गांवों के लोग पहुंचे। दोनो धार्मिक स्थलों पर जागरण व भंडारे का आयोजन किया गया।

पहले खूब खेली होली, फिर किया सामूहिक भोज

गोहाना। सेक्टर-7 में बुजुर्ग महिला और पुरुषों ने जमकर होली का रंग उड़ाया। समारोह में युवा भी शामिल हुए और बुजुर्गों से आशीर्वाद प्राप्त करके होली की खूब मस्ती की। कोलड़े और रंगों की बौछार से होली समारोह की भव्यता देखते ही बनी। नागरिकों ने होली पर्व धूमधाम से मनाकर आपसी भाईचारे की मिसाल पेश की। इस अवसर पर दयानंद मालिक, राजेन्द्र सांगवान, दलबीर कुंडू, देवेंद्र,राजबीर शर्मा, कर्मवीर सैनी, दलसिंह, संगीता, सुमन, दया, मीनू, साक्षी, दलीपो, महेश शर्मा, रामकुमार और संजय दूहन मौजूद रहे।

गीता विद्यालय में गुरुजनों पर चढ़ा होली का खुमार

गोहाना। अखिल भारतीय शिक्षण संस्थान द्वारा गुढ़ा रोड पर संचालित स्थानीय गीता विद्या मंदिर में होली मिलन समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। गुरुजनों ने एक दूसरे को रंग लगाकर भाईचारे की मजबूती का संदेश दिया। प्राचार्य अश्विनी कुमार ने कहा कि होली का पर्व हमें आपसी भाईचारे के साथ आगे बढने की प्रेरणा देता है। हमें अपनी भाईचारे की मजबूती के लिए अपने इस त्योहार को सभ्यता के साथ धूमधाम से मनाना चाहिए। प्रबंध समिति के उपाध्यक्ष मनोज शास्त्री, सदस्य कमलेश भाटिया व सदस्य पूजा सैनी ने भी सनातन संस्कृति में होली पर्व के महत्व पर प्रकाश डाला।

विधायक ने कार्यकर्ताओं को लगाया गुलाल

गन्नौर। विधायक देवेन्द्र कादियान ने रेलवे रोड स्थित अपने कार्यालय में हलके के कार्यकर्ताओं के साथ जमकर होली खेली और कार्यकर्ताओं को होली की शुभकामनाएं दी। होली खेलने के लिए काफी संख्या में उनके समर्थक कार्यलय पर पहुंच और विधायक को रंग व गुलाल लगाया। उन्होंने लोगों को संदेश दिया कि सभी शांतिपूर्ण तरीके से होली मनाएं। विधायक ने कहा कि होली पर परंपरा है, अपने बड़े-बुजुर्ग, मित्र,भाई को गुलाल लगाकर आशीर्वाद और स्नेह प्राप्त किया जाता है। शाम में अपने गांव बजाना में पहुंचकर बुजुर्गों का आशीर्वाद लिया। कादियान ने कहा कि निकाय चुनाव में भाजपा को मिली भारी जीत के कारण होली का रंग दुगना हो गया है। प्रदेश में तीन इंजन की सरकार बनने से विकास की गति बढ़ेगी। विकास में कोई कमी नही रहेगी।

मेयर ने ककरोई रोड पर निर्मित जल शोधन संयत्र का लिया जायजा

- नगर निगम सोनीपत के नए मेयर ने अगले 15 दिनों के भीतर पेयजल सप्लाई शुरू करने के लिए अधिकारियों को दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। ककरोई रोड पर नवनिर्मित जल शोधन संयंत्र का जायजा लेते हुए मेयर राजीव जैन एवं अन्य।

नगर निगम सोनीपत के नए मेयर राजीव जैन ने शनिवार को ककरोई रोड पर 25 करोड़ रुपये से निर्मित जल शोधन संयंत्र (डब्ल्यूटीपी) का जायजा लिया और अधिकारियों को अगले 15 दिनों के भीतर पेयजल सप्लाई शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने नहर से जल शोधन संयंत्र तक आने वाले सड़क का भी दौरा किया और कहा कि नियमानुसार इसे भी जल्द बनवाने का हरसंभव प्रयास करेंगे। राजीव जैन ने कहा कि पश्चिमी यमुना नहर से शहर के पश्चिमी क्षेत्र में पानी की आपूर्ति शुरू होने से गर्मी के मौसम में इस बार लोगों को पेयजल किल्लत का नहीं करना पड़ेगा सामना।

शनिवार को राजीव जैन ने ककरोई रोड पर 25 करोड़ रुपये से निर्मित जल शोधन संयंत्र का जायजा लिया, साथ ही नहर से जल शोधन संयंत्र तक आने वाले सड़क का भी मुआयना कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पूर्व मंत्री कविता जैन के समय शुरू किए गए विकास कार्यों में जो लंबित पड़े हैं उनको तेजी से पूरा करवाना उनकी प्राथमिकता है।

राजीव जैन ने कहा कि 2018 में ककरोई रोड पर सेक्टर-23 और आसपास की करीब दो दर्जन कॉलोनियों में पेयजल आपूर्ति के लिए जल शोधन संयंत्र मंजूर किया था। उनका सीधा मकसद था कि गर्मी के मौसम में शहरवासियों को पेयजल किल्लत का सामना नहीं करना पड़े। उन्होंने कहा कि सभी तकनीकी बाधाओं को अब दूर कर लिया गया है। अब अगले 15 दिनों में रेलवे लाइनपार (पश्चिमी) क्षेत्र में रहने वाले करीब दो लाख लोगों को नहरी पानी उपलब्ध कराया जाएगा। जैन ने कहा कि निकाय चुनाव में प्रदेश की जनता ने भाजपा की नीतियों पर विश्वास जताया है। निकाय चुनाव में भाजपा को मिली प्रचंड जीत प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के सुशासन, पारदर्शिता और विकास की नीतियों पर आम जनता की मुहर है। उन्होंने भरोसा जताया कि हरियाणा में ट्रिपल इंजन की सरकार बनने से विकास की गति तिगुनी होगी।

होली का रंग प्रेम है, इसमें अंहकार भाव नहीं : शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

गोहाना। में-होली मिलन समारोह में एक दूसरे को रंग लगाते हुए शिक्षकगण। फोटो : हरिभूमि

शहर में गुढ़ा रोड स्थित जवाहरलाल नेहरू वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में होली मिलन समारोह आयोजित किया गया। समारोह में स्टाफ सदस्यों ने एक दूसरे को रंग लगाकर त्योहार मनाया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि विद्यालय की प्रबंधक कृष्णा देवी थीं। अध्यक्षता एमडी सुनील शर्मा और प्राचार्य डॉ. मनजीत खासा ने की। संयोजन उप प्राचार्य सूरत शर्मा का रहा। प्राचार्य डॉ. सचिन शर्मा ने कहा कि होली का रंग प्रेम का रंग है। इसमें अंहकार भाव नहीं होना चाहिए। होलिका भी अंहकार के प्रतीक के रूप में जलाई जाती है। अहम के खत्म होते ही संसार के सारे रिश्ते स्नेह व प्रेम से जुड़ जाते हैं। एमडी सुनील शर्मा ने कहा की हमारे त्योहार अपनी पुरातन संस्कृति के प्रतीक हैं।

नूरनखेड़ा में होली पर कहासुनी के चलते युवक पीटा, मामला दर्ज

गोहाना। गांव नूरनखेड़ा में होली पर पार्टी के दौरान कुछ युवकों में कहासुनी हो गई। इसी के चलते एक युवक को पीट दिया गया। घायल को नागरिक अस्पताल से बीपीएस राजकीय महिला मेडिकल कालेज के अस्पताल के लिए रेफर किया गया। बरोदा थाना में केस दर्ज किया गया।

राहुल ने पुलिस को बताया कि वह गांव अपने दोस्तों के साथ होली पर पार्टी कर रहा था। वहां उसकी गांव बुटाना के अमित के साथ कहासुनी हो गई। इसके बाद सभी उठकर चले गए। वह मनदीप, अनिल, अक्षय, अपने भाई राजेश के साथ एक ग्रामीण के यहां बैठा हुआ था। उसी समय अमित व उसका साथी आए और कहासुनी की रंजिश में उसे डंडे से पीटना शुरू कर दिया। आरोपित जान से मारने की धमकी देकर भाग गए।

नशे के प्रति जागरूक करने के लिए दंगल में पहुंचे थाना प्रभारी, युवाओं को दिए फिट रहने के टिप्स

सोनीपत। आयोजित दंगल में पहलवानों के हाथ मिलाते हुए थाना प्रभारी।

सोनीपत। नैनाततारपुर में आयोजित नशा मुक्ति अभियान चलाया गया। जहां मोहाना थाना अरुण कुमार पहुंचे। ग्रामीणों ने बतौर अतिथि के तौर पर पगड़ी पहनाकर स्वागत किया गया। थाना प्रभारी ने दंगल के अंदर पहलवानों व ग्रामीणों को संबोधित करते फिट रहने व हर रोज योगाभ्यास करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही युवाओं को नशे से दूर रहने की अपील। मोहाना निरीक्षक अरुण कुमार ने गांव नैना ततारपुर में आमजन को नशा मुक्ति अभियान के प्रति जागरूक किया। नशा मुक्ति अभियान में आमजन को प्रशासन का सहयोग करने के लिए लोगो को जागरूक किया। नशा मुक्त करने बारे सहयोग मांगा और कहा कि कोई भी नशा तस्कर आपके क्षेत्र में नशा सप्लाई करता है उसके बारे में तुरंत पुलिस को सूचना दें। नशा तस्कर या अन्य अपराधिक गतिविधियों में शामिल अपराधी की सूचना देने वाले का नाम गुप्त रखा जाएगा व उसे उचित ईनाम भी दिया जाएगा। उन्होंने करेवड़ी के आयोजित दंगल में जाकर पहलवानों का होंसला बढ़ाया और उन्हें पुरुस्कार देकर सम्मानित भी किया।

कोरोनात राधा स्वामी आश्रम में चल रही साध समाज चर्चा का समापन आज

साध संगत में शामिल होने से बुरे विचारों से मिलती है मुक्ति और मन को शांति

कश्मीर से कन्या कुमारी सहित देश के विभिन्न हिस्सों से साध संगत यहां पहुंची

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

रोहट गांव स्थित राधा स्वामी आश्रम में मंगलवार से अखिल भारतीय साध समाज की ओर से साध समाज चर्चा और भंडारा चल रहा है। कश्मीर से कन्या कुमारी सहित देश के विभिन्न हिस्सों से साध संगत यहां पहुंची।

ज्ञान और ध्यान की चर्चा में भाग लेकर लोगों ने इसे पुण्य अवसर बताया। समाज में स्वच्छता पर जोर दिया गया। यह साध संगत 11 मार्च को शुरू हुई थी, जिसका 16 मार्च को समापन होगा। विभिन्न प्रदेशों से आई साध संगत के रहने सहित सभी व्यवस्थाएं यहां की हुई है। इस मौके पर ऑल इंडिया साध संगत के सरदार राजेंद्र सिंह साध, दिलबाग, हरनाम, मनोज, नरेंद्र, जगबीर सिंह समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। साध संगत में बताया गया कि साध संगत का उद्देश्य पवित्र लोगों की संगति में रहना है, जो व्यक्ति को नकारात्मकता से दूर कर, ईश्वर के करीब लाता है और उसे आध्यात्मिक रूप से सशक्त बनाता है।

साध संगत में शामिल होने से व्यक्ति को बुरे विचारों से मुक्ति मिलती है और मन शांत होता है, जिससे वह ईश्वर के करीब महसूस करता है, संगत में रहने से व्यक्ति की नकारात्मकता और पाप दूर होते हैं और वह शुद्ध हो जाता है। साध संगत की संगति व्यक्ति को गुरु के साथ अधिक एकाकार होने में मदद करती है।

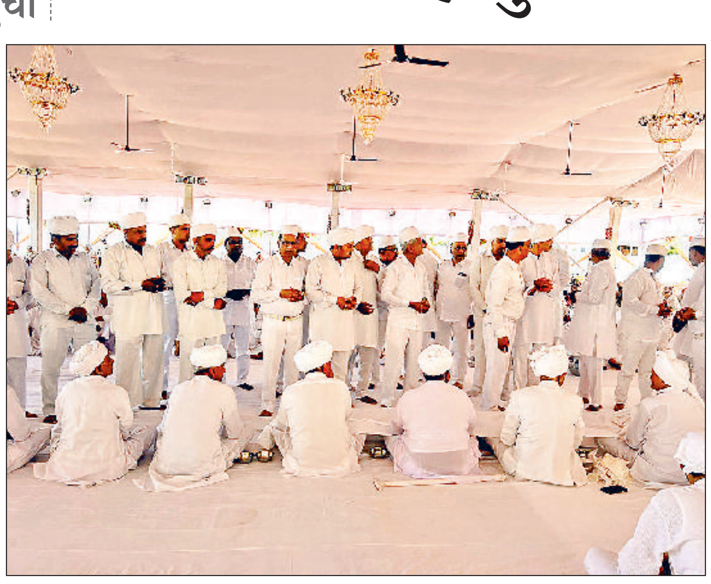

देश व समाज की रक्षा लिया का संकल्प

संगत में रहने से व्यक्ति में सद्गुणों का विकास होता है और वह मानवता की भलाई के लिए काम करने लगता है। नशे व बुरे विचारों से दूर रहता है। साध संगत में रहने से व्यक्ति को सच्चा सुख और शांति मिलती है। साध संगत के साथ जुड़ने से चिंताएं, भय और संदेह दूर हो जाते हैं। संगत एक ऐसा समूह है जो अपने सदस्यों को अच्छा समुदाय और आध्यात्मिक समर्थन प्रदान करता है। व्यक्ति के मन, आत्मा और शरीर को ऊपर उठाना और शुद्ध करना तथा शांतिपूर्ण अनुभव प्रदान करना है। दिल्ली, मुंबई, हरियाणा, राजस्थान के अलावा यूपी के बरेली, हरिद्वार समेत कई हिस्सों से सैकड़ों लोग पहुंचे। स्थानीय साध समाज ने मेहमानों का स्वागत किया। सतनाम अवगत ज्ञान और ध्यान की चर्चा हुई। 'सबका मालिक एक' के विचार पर चिंतन और मनन किया गया। साध समाज के लोगों ने देश और समाज की रक्षा का संकल्प लिया। इंसानियत का संदेश दिया। इस धार्मिक आयोजन में महिलाओं ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। बाहर से आए साधुओं के लिए रात्रि ठहराव की व्यापक व्यवस्था की गई है।

हिंदुत्व भारतीय संस्कृति की नींव इसे सशक्त बनाना होगाः नीरज

सोनीपत। कार्यकर्ता बैठक के दौरान उपस्थित शिवसेना के पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

- शिवसेना हरियाणा प्रमुख और सचिव द्वारा जिला सोनीपत में कार्यकर्ता बैठक का आयोजन

शिवसेना हरियाणा प्रमुख नीरज सेठी एवं हरियाणा सचिव पवन खत्री के नेतृत्व में सोनीपत में कार्यकर्ता बैठक का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य शिवसेना संगठन को हरियाणा में अधिक मजबूत और सशक्त बनाना है।

शिवसेना हरियाणा प्रमुख नीरज सेठी ने बैठक के दौरान हरियाणा में शिवसेना के संगठन विस्तार पर जोर दिया गया। इस बात पर चर्चा की गई कि शिवसेना को हरियाणा के प्रत्येक जिले में और अधिक प्रभावी तरीके से फैलाया जाए ताकि संगठन के उद्देश्यों और विचारधारा को व्यापक रूप से लोगों तक पहुंचाया जा सके। उन्होंने कहा कि शिवसेना का उद्देश्य है कि हरियाणा में हिंदुत्व के विचार और संस्कृति को और अधिक प्रोत्साहित किया जाए और भगवा ध्वज के माध्यम से समाज में एकता और अखंडता का संदेश फैलाया जाए। हिंदुत्व, जो भारतीय संस्कृति की नींव है उसे समाज में एक प्रमुख विचारधारा के रूप में स्थापित करने की आवश्यकता है। शिवसेना के हरियाणा सचिव पवन खत्री ने बताया कि संगठन को और अधिक विस्तार देने के लिए हम सभी कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी से काम करना होगा। इस सम्मेलन में मुख्य रूप से सुनील अरोड़ा संगठन मंत्री, वैभव आहुजा महासचिव और जय सुमनाक्षर उप प्रमुख उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

गोशाला के स्थापना दिवस पर रागनी कम्पीटिशन आज

गन्नौर। गांव राजपुर स्थित गोशाला का स्थापना दिवस रविवार को मनाया जाएगा। मौके पर रागनी कम्पीटिशन में महिला कलाकार शिरकत करेगी। जानकारी संस्था के पदाधिकारी कर्मबीर राठी ने दी। बताया कि विशिष्ट अतिथि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडौली, भाजपा विधायक निखिल मदान, सांसद सतपाल ब्रह्मचारी, विधायक देवेंद्र ,भाजपा नेता देवेंद्र कौशिक, पूर्व विधायक निर्मल चौधरी, समाजसेवी अमरीक , मेयर राजीव जेन व गोसेवा आयोग सदस्य राकेश मलिक व अन्य मौजूद रहेंगे।

फोन चोरी की वारदात में शामिल आरोपित दबोचा

सोनीपत। एसएजी यूनिट सेक्टर-7 सोनीपत पुलिस टीम ने मोबाइल फोन चोरी करने की वारदात में शामिल आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित रूपेण ऋषि निवासी अररिया बिहार का है। पुलिस ने आरोपित को अदालत में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

दुष्कर्म की वारदात में शामिल आरोपी काबू

सोनीपत। राई थाना सोनीपत पुलिस ने महिला के साथ दुष्कर्म करने की वारदात में शामिल आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित मंजीत निवासी सिक्टोली सीतापुर यूपी का है। पुलिस ने आरोपित को अदालत में पेश किया। जहां से उसे जेल भेज दिया। एक महिला ने गत पांच फरवरी को पुलिस से शिकायत देकर बताया कि वह निजी कंपनी में काम करती है।

गैस सिलेंडर चोरी के दो आरोपित गिरफ्तार

सोनीपत। शहर थाना सोनीपत पुलिस ने गैस सिलेंडर चोरी करने की वारदात में शामिल दो आरोपितो को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित संदीप निवासी सांदल खुर्द व शिवम् उर्फ गंजा निवासी गन्नौर का है। पुलिस ने आरोपितों को अदालत में पेश किया। जहां से दोनों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

घर में घुसकर महिला से छेड़छाड़, मामला दर्ज

गोहाना। बरोदा थाना के एक गांव में घर में घुसकर महिला से छेड़छाड़ की। एक युवक कमरे में आया जबकि दूसरा बाहर खड़ा होकर निगरानी कर रहा था। महिला ने शोर मचाया तो आरोपित भाग गए। बरोदा थाना में दो के विरुद्ध केस दर्ज किया गया। महिला ने पुलिस को बताया कि उसके पति की मौत हो चुकी है और बेटा जेल में है। वह घरेलू कार्य करती है। 10 मार्च की रात को वह अपने पोता व पोती के साथ घर में सो रही थी।

नकदी छीनने के आरोपी तीन दिन के रिमांड पर

सोनीपत। क्राइम यूनिट सेक्टर-27 सोनीपत पुलिस टीम ने फास्ट फूड की रेहड़ी वाले से रुपये छीनने की वारदात में शामिल तीन आरोपितों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित आकाश उर्फ काशी निवासी शास्त्री कॉलोनी, सौरभ निवासी ठरू उल्देपुर, विजय निवासी ऋषि कॉलोनी का है। पुलिस ने आरोपितों को अदालत में पेश किया। जहां से उन्हें तीन दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा है।

शहरों में अधिकतर जगहों पर गुलाल और रंगों से खेली होली

जिलेभर में धूमधाम से मनाया फाग भाभियों ने जमकर बरसाए कोरड़े

डीजे पर होली के गानों की धुन और ढोल की थाप पर महिला-पुरुषों ने जमकर धमाल मचाया

सभी ने एक-दूसरे को गुलाल लगा कर होली की शुभकामनाएं दीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

दुल्हेंडी या फाग का त्यौहार शुक्रवार को जिलेभर में धूमधाम से मनाया गया। पारंपरिक तरीके से मनाए गए त्यौहार के दौरान जमकर गुलाल और रंग बरसाया गया। वहीं कोरड़ों की भी बौछार हुई। शहरों में घरों की छत व गलियों में दुल्हेंडी का हुड़दंग दिखा। युवाओं ने डीजे की धुन पर रंग-गुलाल उड़ाते जमकर धमाल मचाया। वहीं गांवों में गलियों में जमकर रंगों की होली और कोरड़ों की बारिश हुई। सोनीपत शहर के साथ गोहाना, खरखौदा, राई व गन्नौर में भी रंगों की धूम रही। हर गली-मोहल्लों में लोगों ने एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर गले मिलकर रंगोत्सव की बधाई दी। सुबह करीब आठ बजे शुरू हुआ एक-दूसरे को रंग लगाने व पानी डालने का दौर दोपहर बाद तक जारी रहा। शहर की सड़कों पर युवाओं का हुजूम दिखा तो गांवों में भी लोगों ने रंगों के इस पर्व का जमकर लुत्फ उठाया। कई जगह डीजे पर होली के गानों की धुन तो कहीं लोग ढोल की थाप पर महिला-पुरुषों ने जमकर धमाल मचाया। शुक्रवार को जिले भर में कोरड़ा मार होली-दुल्हेंडी का त्योहार पूरे हर्षोल्लास के साथ खेला गया। गांव से लेकर शहर और कस्बों तक इस खेल को सभी ने पूरे उत्साह के साथ खेला। लगभग दोपहर में गलियों में एकाएक चहल-पहल बढ़ती दिखाई दी। महिलाओं ने कोरड़े लेकर पुरुषों का पीछा किया और उन्हें खूब कोरड़े लगाए। वहीं, पुरुषों ने भी महिलाओं पर पानी डाला। सभी ने एक-दूसरे को गुलाल लगा कर होली के पावन पर्व की शुभकामनाएं दीं। बच्चे, बूढ़े और जवान सभी होली के रंग में रंगे दिखाई दिए। सोनीपत के वैस्ट रामनगर में ललिता, सोनिया, मोनिका, पूनम, सीमा, प्रमिता, अनीता आदि महिलाओं ने कहा कि होली-दुल्हेंडी हमारी गौरवमयी संस्कृति का प्रमुख अंग है। इस त्योहार की गरिमा को समझना चाहिए। परस्पर गिले शिकवे भुलाकर सभी को प्रेम से रहना चाहिए। वहीं श्रीराम रेजिडेंसी में भी स्थानीय निवासियों ने फाग का त्यौहार मनाया। फूलों की होली खेली गई।सूबे सिंह, धर्मपाल शर्मा, रामकुमार शर्मा, आजाद सिंह, सुरेश कौशिक, सुरेश चंद्र, जयपाल सरोहा, राजेश अहलावत, विकास श्योकंद, अनिल कौशिक, सुनील रोहिला, सुनील कुंडू, सुनील वधवा, सत्यवान दहिया, जयकिशन मलिक, धर्मेंद्र कुमार, रमेश चंद्र, राकेश आदि मौजूद रहे।

सोनीपत। वेस्ट रामनगर में होली खेलते हुए। फोटो :हरिभूमि

बाजारों में सन्नाटा, सड़कों पर शोर

दुल्हेंडी पर्व पर शहर के बाजारों में सन्नाटा पसरा रहा। हालांकि सड़कों पर शोर रहा। बाजार में एक-दो दुकानों को छोड़ अधिकतर दुकानें बंद रही। सड़कों पर भी वाहनों की आवाजाही कम ही थी, लेकिन युवाओं की टोलियां बाइकों पर घुमते हुए होली खेलती दिखाई दी। दोपहर बाद ही बाजारों में चहलकदमी दिखाई दी।

सोनीपत। श्री राम रेजिडेंसी सेक्टर 2 सोनीपत में होली खेलते हुए।

भाभियों को रंग लगाया

महिलाओं ने होली के रंग को और अधिक गाढ़ा करते हुए देवरों पर जमकर कोरड़े बरसाए। प्राचीन काल से चली आ रही परंपरा के अनुसार देवरों ने भाभियों को रंग लगाया, वहीं भाभियों ने भी उन पर कोरड़े बरसाए। युवा वर्ग महिलाओं के कोरडे की मार से बचने का प्रयास करते रहे। दुल्हेंडी पर बच्चों, युवक-युवतियों, महिला-पुरुषों सहित बुजुर्गों में भी विशेष उत्साह बना रहा। सभी एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर व पानी फेंकते हुए मस्ती में डूबे रहे।

सोनीपत। विधायक निखिल मदान को ज्ञापन सौंपते हुए एसोसिएशन के पदाधिकारी एवं सदस्यगण। फोटो :हरिभूमि

हुकटा के प्रतिनिधिमंडल ने विधायक को सौंपा मांगपत्र

- विवि के अनुबंधित असिस्टेंट प्रोफेसरों ने उठाई मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

हरियाणा यूनिवर्सिटी कांट्रैक्चुअल टीचर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधि मंडल ने सोनीपत से विधायक निखिल मदान को विवि के अनुबंधित असिस्टेंट प्रोफेसरों को सेवा सुरक्षा और सेवा सुरक्षा होने तक भर्ती करते वक्त हमारे पदों को भरा हुआ मानकर भर्ती करने का ज्ञापन सौंपकर विस्तार से चर्चा की।विधायक निखिल मदान ने कहा कि विधानसभा के बजट सत्र में सेवा सुरक्षा प्रदान कर रोजगार की गारंटी देने का सवाल व मुद्दा शून्य काल में उठाकर आपका जल्द ही समाधान करवाऊंगा। हुकटा के प्रदेशाध्यक्ष विजय मलिक व प्रतिभा कौशिक ने सयुंक्त रूप से बताया कि वे स्थायी भर्ती करने के पक्षधर हैं लेकिन 2 सप्ताह पहले आइजीयू रिवाड़ी में नियमित भर्ती से 35 रिसोर्स पर्सन की छंटनी होने के कारण वे तो परेशान व हताश थे ही, उनके साथ अन्य विश्वविद्यालयों के 5 से 12 वर्षों से कार्यरत अनुबंधित असिस्टेंट प्रोफेसरों को भी रोजगार की गारंटी न मिलने के कारण नौकरी खोने का भय प्रतिदिन सता रहा है। ये भय केवल सेवा सुरक्षा देने के बाद ही खत्म होगा या सरकार को भर्ती करनी भी है तो हमारे पदों को भरा हुआ मानकर भर्ती करने से भी राहत मिल सकती है। हालांकि, प्रदेश की नॉन-स्टॉप सरकार और मुख्यमंत्री सभी प्रकार के अनुबंधित शिक्षकों जैसे कॉलेज, स्कूल, पॉलीटेक्निक सबको सेवा सुरक्षा दे चुके हैं, केवल विश्वविद्यालयों के अनुबंधित असिस्टेंट प्रोफेसर ही वंचित रह गए हैं शीतकालीन सत्र में और बार-बार मिलने पर सीएम नायब सिंह द्वारा खुद वादा किया था कि कॉलेज के एक्सटेंशन लेक्चरर की तर्ज पर विवि के अनुबंधित सहायक प्रोफेसरों को भी रोजगार की सुरक्षा की गारंटी दी जाएगी। बीपीएस महिला विवि से सुनीता, प्रियंका, पिंकी, पूजा, ओमबीर व एमडीयू रोहतक से प्रीति शर्मा आदि उपस्थित रहे।

अस्सी प्लस आयु वर्ग में प्रो. रामदिया ने जीते दोहरे पदक

- एसएआई द्वारा बैंगलोर में 45वीं राष्ट्रीय वेटरन प्रतियोगिता आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

बैंगलोर में कंर्टेवा स्टेडियम में सम्पन्न 45वीं राष्ट्रीय वेटरन प्रतियोगिता में अंतर्राष्ट्रीय बुजुर्ग खिलाड़ी सेवानिवृत्त एसोसिएट प्रो. रामदिया जाटायन ने 2 स्वर्ण पदक जीत कर युवा पीढ़ी में खेलों में आगे बढने के लिए जोश भरा है। वे गांव धनाना निवासी हैं। उन्होंने युवाओं को नशे से दूर रहकर पढ़ाई के साथ खेलों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। एसएआई (स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया) द्वारा 4 से 9 मार्च तक उक्त प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें 22-23 प्रांतों से करीब 3 हजार खिलाडिय़ों ने प्रतिभागिता की। प्रो. रामदिया जाटायन ने इस प्रतियोगिता में 80 प्लस आयु वर्ग में 5 किलोमीटर दौड़ और 5 किलोमीटर वाक दौड़ में दो स्वर्ण पदक हासिल किए। उन्होंने कहा कि इस उम्र में खेलों में भाग लेने के पीछे उनका ध्येय केवल युवा पीढ़ी को खेलों में भाग लेने के लिए प्रेरित करना है। प्रो. रामदिया ने कहा कि आज से 35-40 साल पहले युवाओं में खेलों के प्रति भरपूर जोश हुआ करता था। आज की युवा पीढ़ी खेलों से विमुख होकर नशे के दलदल में फंसती जा रही है जो एक गहन चिंता का विषय है। वे बोले कि युवा नशे में पडक़र अपना भविष्य बर्बाद न करें। वे दूध, दही व घी खाएं और खेलों में अपनी ताकत का इस्तेमाल करें।

विधायक ने 33 केवी सब स्टेशन को किया लोकार्पित

- साढ़े नौ करोड़ से बहालगढ़ से असदपुर यमुनाघाट तक बनाई जाने वाली सड़क के निर्माण कार्य का किया शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राई

राई हलका विधायक कृष्णा गहलावत ने नव स्थापित 33 केवी के सब स्टेशन को लोकार्पित किया, जिससे हजारों ग्रामीणों व किसानों को निर्बाद्घ विद्युत आपूर्ति मिलेगी। विधायक ने बहालगढ़ से असदपुर यमुनाघाट तक सड़क के मरम्मत व सौंदर्यकरण के निर्माण कार्य का भी शुभारंभ किया। हलकावासियों विकास के मामले में आश्वस्त करते कहा कि लोगों को अब चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। बिजली के 33 केवी सब स्टेशन का लोकार्पण समारोह में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए विधायक कृष्णा गहलावत ने कहा कि इस पावर हाउस की क्षमता बीस मेगा वाट है। इससे विशेष रूप से राई के गांव असावरपुर के 4 हजार उपभोक्ताओं को सीधा लाभ मिलेगा। नजदीकी गांव को भी इससे जोड़ा जाएगा। साथ में पांच सौ किसानों को भी इससे जोड़ा जाएगा। इस पावर हाउस की स्थालपना पर करीब आठ करोड़ की लागत आई है। बताया कि कुंडली में नई डिवीजन स्थापपित करवाई है जिसका कार्यालय 33 केवी पावर हाउस नंबर-2 सेवली रोड पर होगा। विधायक गहलावत ने बताया कि बहालगढ़ से असदपुर यमुनाघाट वाया चौहानजोशी-दीपालपुर-मुकीमपुर-नांदनौर सड़क की मरम्मत व सौंदर्यकरण के लिए नौ करोड़ 27 लाख 85 हजार रुपये मंजूर करवाये हैं।

राई। विधायक कृष्णा गहलावत नव स्थापित 33 केवी के सब स्टेशन के लोकार्पण पर, साथ में भाजपा के पदाधिकारी। फोटो :हरिभूमि

ये रहे मौजूद

बिजली निगम के चीफ इंजीनियर पलविंद्र, एसई गीतूराम तंवर, एक्सईएन आशीष , एसडीओ रविंद्र पंवार, भाजपा जिला उपाध्यक्ष पुनीत राई, मंडल अध्यक्ष विकास, शेखर आंतिल, युवा नेता अनिल आंतिल, मास्टर सतनारायण आंतिल, मार्केट कमेटी के पूर्व चेयरमैन कुलदीप नांगल, सरपंच मोनिका असावरपुर, एसएचओ कुलदीप, पूर्व सरपंच बिट्टू आदि गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

सोनीपत। देवेंद्र गौतम का स्वागत करते मंदिर समिति के पदाधिकारी।

देवी चिट्टाने वाली मां में ट्रस्टी बने देवेन्द्र

सोनीपत। होली पर्व व पूर्णिमा के अवसर पर आप नेता देवेन्द्र गौतम चिटाना स्थित अपनी कुलदेवी के मंदिर में देवी मां का आशीर्वाद लेने अपने साथियों संग पहुंचे। मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित कृष्ण शर्मा ने माता की चुन्नी पहना कर सभी का स्वागत किया। मंदिर कमेटी प्रधान अनिल कुहाड़ व समस्त कार्यकारिणी ने देवेन्द्र गौतम का पगड़ी पहनाकर स्वागत किया। कमेटी प्रधान अनिल कुहाड़ ने बताया की देवेन्द्र गौतम ने माता मंदिर ट्रस्ट में एक लाख रुपये की सहयोग राशि दी जिस पर उन्हें ट्रस्टी के पद से सुशोभित किया गया है। देवेन्द्र गौतम ने कहा कि अपनी कुलदेवी माता मंदिर में ट्रस्टी बनना उनके व उनके परिवार का सौभाग्य है। गौतम ने ट्रस्टी बनाने पर मंदिर कमेटी प्रधान अनिल कुहाड़ व समस्त कार्यकारिणी का आभार जताया।

ग्रामीण क्षेत्रों में शहर की तर्ज पर विकास होगा: कृष्ण लाल पंवार

- पंचायत मंत्री ने कार्यकर्ताओं के साथ की बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार का शनिवार को गांधी नगर में एक निजी कार्यक्रम में पहुंचे। इस अवसर पर भाजपा नेता आजाद नेहरा, विभिन्न गांवो के सरपंचो व कार्यकर्ताओं उनका स्वागत किया।

कृष्ण लाल पंवार ने गन्नौर के ग्रामीण विकास को लेकर सरपंचो व कार्यकर्ताओं से विशेष चर्चा की। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में शहर की तर्ज पर विकास होगा। इसके लिए सरकार पूरी तरह से गंभीर है। भाजपा सरकार ने पिछले 10 वर्षों में प्रदेश में विकास की कोई कमी नहीं रहने दी और आगे भी प्रदेश उन्नति के पथ पर निरंतर चलता रहेगा। यही कारण है कि विधानसभा चुनावों के बाद अब निगम चुनावों में भी भाजपा की प्रचंड जीत हुई है।

गन्नौर। पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार कार्यकर्ताओं के साथ बातचीत करते हुए।

सोनीपत। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित विद्यार्थी एवं फाउंडेशन के सदस्यगण।

कड़ी मेहनत से मिलेगी सफलता : मुनि

सोनीपत। स्प्रेड स्माइल फाउंडेशन सेक्टर 12 स्तिथ कम्युनिटी सेंटर के प्रांगण में शनिवार को राकेश मुनि महाराज पधारे। राकेश मुनि महाराज का जन्म, शिक्षा, व मुनि दीक्षा भी सोनीपत में ही हुई है। उन्होंने बच्चो को संदेश देते हुए कहा कि बड़े ही सौभाग्य की बात है कि आप सबने पढ़ने का रास्ता चुना है और आपकी ये कड़ी मेहनत आपको ऊंचाइयों तक ले जाएगी। बच्चो को बधाइयां देते हुए मंगल आशीर्वाद दिया। गुरुदेव ने संस्था के कार्यों की सरहाना करते हुए कहा कि सबसे बड़ा दान किसी को अपने पैर पे खड़ा करना है और ये शिक्षा का अभियान इसे सफलता की और ले जा रहा है। इस मौके पर संस्था के सदस्य व पाठशाला में पढ़ने वाले बच्चे उपस्थित रहे।

नगर पालिका ने शहर में चलाया अतिक्रमण हटाओ अभियान

नपा ने दुकानों के बाहर रखा सामान जब्त किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

शनिवार को नपा कर्मचारियों ने पुलिस के साथ मिलकर शहर में अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया। इस दौरान दुकानों के बाहर रखे सामान को नपा ने जब्त कर लिया। शहरी क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त रखने के उद्देश्य से नगर पालिका के कर्मियों ने शनिवार को अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया. इस दौरान नगरपालिका ने रेलवे रोड़ रोड़ पर सब्जी मंडी से लेकर रेलवे स्टेशन तक अवैध रूप से सड़क कब्जा कर व्यवसाय कर रहे लोगों की दुकानों को हटवा कर दोबारा अतिक्रमण करने पर कानूनी कार्रवाई करने की बात कही। शहर में दुकानदार बेतरतीब तरीके से अपने प्रतिष्ठानों के इर्द-गिर्द सामान फैला कर रखते हैं। इससे अक्सर पैदल चलने के साथ मार्केटिंग के लिए बाजार आने वाले लोगों को पार्किंग की समस्याएं के समस्या के साथ कई बार तो पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है। वहीं अतिक्रमण के कारण शहर में आने वाले दुपहिया वाहन चालक भी सड़क पर अपने वाहन को खड़ा करके खरीदारी करने चले जाते हैं तो उस समय कई बार अक्सर जाम की स्थिति पैदा होती है। शहरी क्षेत्र में ऐसी समस्याओं को देखते हुए प्रशासन ने सख्त कदम उठाते हुए कार्रवाई की है। नपा अधिकारियों ने व्यवसायियों से अपील की है कि अपने प्रतिष्ठानों के सामान को दुकानों के आगे बनाए गए नाले से आगे न रखें। सफाई निरीक्षक पोषण मलिक व यातायात पुलिस इंचार्ज ने कहा कि अतिक्रमण कर शहर के लोगों के लिए परेशानी का सबक बनने वाले दुकानदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

गन्नौर। सामान जब्त कर नपा में जमा करते कर्मचारी। फोटो :हरिभूमि

पानी निकासी को लेकर सख्ती दिखाई, थमाए नोटिस

गन्नौर। शहर में जलभराव की समस्या और नालियों के अवरुद्ध होने को लेकर नगरपालिका ने सख्त कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। अवैध रूप से घरेलू और शौचालय का पानी नगरपालिका नालों व नालियों में छोड़े जाने के कारण जल निकासी प्रभावित हो रही है। जनस्वास्थ्य विभाग से सीवर कनेक्शन न होने के कारण कई नालियां जाम हो गई हैं, जिससे बारिश के मौसम में जलभराव की स्थिति और गंभीर हो सकती है। इस समस्या को देखते हुए नगरपालिका ने मकान मालिकों को नोटिस जारी करने शुरू कर दिए हैं। एनजीटी के आदेशों का उल्लंघन करने वालों को भी चेतावनी दी जा रही है। नगरपालिका द्वारा अब तक कई मकान मालिकों को नोटिस जारी कर चुकी है।

कालेज को सरकारी कराने की उठाई मांग : पवन

खरखौदा। शून्य काल के दौरान विधायक पवन खरखौदा ने खरखौदा के कन्या कालेज को सरकारी करने की मांग उठाई थी। प्रश्नकाल के दौरान उन्होंने उच्चतर शिक्षा विभाग में विस में प्रश्न नंबर 78 के तहत पूछा कि क्या खरखौदा स्थित महिला कालेज को सरकार अधिकार में लेने का कोई प्रस्ताव सरकार के पास विचाराधीन है? यदि हां, तो क्या वहां पर कार्यरत अध्यापकों व कर्मचारियों को भी सरकार द्वारा अधिकार में लिया जाएगा या नियमित किया जाएगा। उसका ब्यौरा क्या है? महिपाल ढांडा उच्चतर शिक्षा मंत्री हरियाणा सरकार की तरफ से जवाब मिला कि हां, खरखौदा कन्या कालेज के अध्यापकों व कर्मचारियों को उन नियमों एवं शर्तों के तहत नियमित के लिए विचारा जाएगा जो वित्त विभाग द्वारा अनुमोदित की जाएगी। रुझान से स्पष्ट हो गया है कि आने वाले समय में खरखौदा कन्या कालेज को सरकारी कॉलेज का दर्जा प्राप्त होगा।

गोहाना। मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा के साथ भाजपा नेता जस्सी खुराना व अन्य।

सीएम ने लोगों से चर्चा के बाद तैयार किया बजट

गोहाना। सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश में घूम-घूमकर व हर वर्ग से मिल बैठकर चर्चा के बाद जनहित का बजट तैयार किया है। इस बजट में उनके निरन्तर किए गए प्रयास व सुझावों की झलक नजर आएगी। वे भाजपा खानपुर मंडल अध्यक्ष प्रवीण खुराना उर्फ जस्सी के गांव नगर स्थित आवास पर जलपान कार्यक्रम में पहुंचे। डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि 17 मार्च को हरियाणा विधानसभा में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी वित्तमंत्री के नाते एक बेहतरीन बजट पेश करेंगे। उन्होंने प्रदेश में घूम-घूमकर व सबसे चर्चा करके जनहित का बजट तैयार किया है। इस बजट के लिए उन्होंने किसान, युवा, महिला, व्यापारी, हर समुदाय के साथ अलग-अलग मंचों पर चर्चा की। यही नहीं, प्रदेश के जनप्रतिनिधियों के साथ पंचकूला में दो दिवसीय प्री बजट बैठक करते हुए सुझाव लिए गए।

खबर संक्षेप

जनसंख्या कानून बनवाने को लेकर धरना आज

सोनीपत। भोले बाबा आश्रम प्रमुख एवं उजाला पार्टी प्रदेशाध्यक्ष सुनील बैरागी ने बताया कि 16 मार्च को रामलीला मैदान दिल्ली में जनसंख्या कानून बनवाने के बारे में धरना दिया जाएगा। संत युवराज के आह्वान पर धरना दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनसंख्या कानून बनवाने के लिये वर्ष 2001 से लगातार संघर्ष किया जा रहा है।

गुरुकुल बरोणा का चतुर्थ वार्षिकोत्सव आज

खरखौदा। 16 मार्च रविवार को गुरुकुल का चतुर्थ वार्षिकोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। आचार्य प्रदीप के अनुसार कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः 9 बजे हवन यज्ञ से प्रारम्भ होगी। प्रस्तावित कार्यक्रम में अनेक विद्वान, साधु सन्यासी, भजनोपदेशक, समाजसेवी और राजनेता शामिल होंगे। कार्यक्रम में गुरुकुल के विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति भी दी जाएगी। आचार्य मनीष का कहना है कि कार्यक्रम में विद्वानों द्वारा अनेकों विषयों पर प्रकाश डाला जाएगा।

भागराम ट्रस्ट का साप्ताहिक रक्तदान शिविर कल

गोहाना। हर सप्ताह की तरह भागराम ट्रस्ट का साप्ताहिक रक्तदान शिविर शहर में सोनीपत मार्ग टी प्वाइंट पर भगवान परशुराम चौक में 17 मार्च को आयोजित होगा। शिविर के मुख्य अतिथि गोहाना बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष वीरेंद्र आर्य होंगे। रक्तदान शिविर की अध्यक्षता ट्रस्ट की अध्यक्ष उषा गगनेजा करेंगी। संयोजन स्टार रक्तदाता एवं प्रसिद्ध समाजसेवी सुरेंद्र विश्वास का रहेगा। शिविर में सभी रक्तदाताओं को टी-शर्ट प्रदान की जाएंगी। शिविर में राष्ट्रीय कैंसर संस्थान बाढ़सा की टीम रक्त संकलन के लिए पहुंचेगी। शिविर वातानुकूलित बस में आयोजित होगा।

हंस ध्वनि सभागार में सत्संग समारोह 16 को

गोहाना। श्री सति भाई साईं सेवा दल गोहाना का 16वां सत्संग समारोह आज शहर के आदर्श नगर स्थित हंस ध्वनि सभागार में आयोजित होगा। इस दौरान निःशुल्क नेत्र जांच शिविर, रक्तदान शिविर व भंडारा भी आयोजित होगा। समारोह के मुख्य अतिथि नगर परिषद गोहाना की चेयरपर्सन रजनी विरमानी, निगरानी कमेटी गोहाना के पूर्व अध्यक्ष गुलशन विरमानी, गोहाना बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष वीरेंद्र आर्य, समाजसेवी सन्नी आहूजा, समाजसेवी रमन कत्याल, गांव नगर के सरपंच प्रतिनिधि जस्सी खुराना और पूर्व नगर पार्षद महेश त्रिखा होंगे। सत्संग समारोह में प्रातः 10 से 11 बजे तक पाठ श्री सुखमणि साहिब, भजन कीर्तन प्रातः 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक और भंडारा दोपहरबाद 2 बजे आयोजित होगा। निःशिुल्क नेत्र जांच शिविर में विशेषज्ञ डॉ. पीएस गौड़ अपनी सेवाएं देंगे।

जमीनी विवाद : गांव जवाहरा में भाजपा नेता की गोली मारकर हत्या

पहले गली में की फायरिंग, बचकर भागा तो पीछा कर दुकान में घुसा, सिर में गोली मारी

सुरेंद्र ने आरोपी की बुआ व ताऊ के बेटे से खरीदी थी जमीन, इसी जमीन को लेकर दोनों के बीच चला आ रहा था विवाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

अपराध

भाजपा के मुंडलाना मंडल अध्यक्ष एवं जवाहरा के नंबरदार सुरेंद्र की पड़ोसी के साथ पशुवाड़े से लौटते समय जमीनी विवाद में गोली मारकर हत्या कर दी। आरोपी ने पहले गली में फायरिंग की व पीछाकर दुकान में घुसकर सिर में गोली मारी जिससे उसकी मौत हो गई। इससे पहले आरोपी ने सिर पर बंदूक के बट से वार किया। वारादात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक की पत्नी की शिकायत पर केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। शुक्रवार को दिन में परिवार के साथ उत्साह के साथ होली मनाई।

जमीन खरीदने से बढ़ी रंजिश

नंबरदार सुरेंद्र ने लगभग तीन-चार साल पहले मनु की बुआ व उसके ताऊ के लडके की लगभग डेढ़-दो एकड़ जमीन खरीद ली थी। मनु इससे नाराज था और सुरेंद्र से रंजिश रखता था। वह कई बार जमीन उनके नाम करवाने की मांग कर चुका था। मनु नहीं चाहता था कि उनके परिवार की जमीन को कोई बाहरी खरीदे। जमीनी विवाद के चलते ही सुरेंद्र की गोलियां मारकर हत्या की गई।

पहले पेट व फिर सिर में मारी गोलियां

हमलावर ने भाजपा नेता सुरेंद्र के पेट और सिर में गोलियां मारी। हमलावर ने पहले गली में सुरेंद्र पर गोलियां चलाई। वह जान बचाने के लिए भागकर पास में किराना की दुकान में जा घुसा। हमलावर ने पीछा करते हुए दुकार में घुसकर गोलियां मारी।

आरोपी गिरफ्तार, साजिश में शामिल साथियों की तलाश

वारदात के बाद मुख्य आरोपित मनु को पकड़ लिया गया है। उससे पूछताछ की जा रही है। जमीनी विवाद के चलते आरोपित ने घटना को अंजाम दिया। भाजपा नेता की हत्या की साजिश में शामिल अन्य लोगों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं तथा उन्हें भी जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

- ऋषिकांत, एसीपी गोहाना

रास्ते में मिला था पड़ोसी सुल्तान

कोमल ने पुलिस को बताया कि रास्ते में पड़ोसी सुल्तान मिला। वे दोनों आगे थे व वह उनके पीछे थी। जब हवा सिंह के मकान के पास पहुंचे तो सामने से गांव का मनु आया व उसके पति पर गोली चला दी। वह दोबारा गोली मारने लगा तो सुल्तान के साथ मैने उसे पकडने का प्रयास किया। मनु ने उसे धक्का दे दिया व सुल्तान के सिर में पिस्टल के बट से हमला कर जान से मारने की धमकी दी। बचने के लिए उसके पति भागकर किराना की दुकान में घुस गए। जहां पीछा करते हुए पहुंचे मनु ने उसके सिर में गोली मार दी। आसपास के लोगों को आते देखकर मनु भाग गया। स्वजन सुरेंद्र को गांव खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला मेडिकल कालेज के अस्पताल लेकर गए। वहां उनको मृत घोषित कर दिया। कोमल की शिकायत पर सदर थाना में मनु, उसकी पत्नी, मां, ताऊ व उसके लड़के के विरुद्ध हत्या और साजिश का केस दर्ज किया गया। शनिवार का शव को पोस्टमार्टम कराकर स्वजन को सौंप दिया। सुरेंद्र तीन बच्चों के पिता थे। सुरेंद्र ने मनु की बुआ व ताऊ के लड़के की जमीन खरीदी थी। जिसे लेकर उसका मनु के साथ विवाद चला आ रहा था।

सोनीपत। रेफर करने के बाद शव को लेकर जाते परिजन।

पानीपत से लापता बच्ची का शव नहर में मिला, पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंपा

सोनीपत। मोहाना थाना क्षेत्र में संदिग्ध हालत में नहर से बच्ची का शव बरामद हुआ है। मामले की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल में भिवजाया। जहां फोरेंसिक चिकित्सक के न होने के चलते उसे महिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल खानपुर रेफर कर दिया। जहां पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द कर लिया है। मिली जानकारी के पानीपत निवासी एक व्यक्ति ने 10 मार्च को पुलिस से शिकायत देकर बताया था कि उसकी नौ वर्षीय बेटी काजल संदिग्ध हालत में लापता हो गई। किला मोहल्ला पानीपत थाने में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया था। होली के दिन पुलिस ने सिटावली नहर में शव मिलने की सूचना मिली। पुलिस ने शव को निकालकर नागरिक अस्पताल में भिजवाया। जहां फोरेंसिक चिकित्सक के न होने के चलते दुल्हेडी के दिन शव को महिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल खानपुर रेफर कर दिया। जांच अधिारी अनम ने बताया कि मृतका की पहचान होने के बाद परिजनों को सूचना दी थी। पुलिस ने मृतका के परिजनों के बयान दर्ज कर शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया है। जांच के लिए विसरा सैंपल लेकर लैब भेजा गया है।

हिस्ट्रीशीटर दीपक गुहणा मर्डर मामले में आरोपी को जेल भेजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

■ वारदात में शामिल एक आरोपित को पहले किया था गिरफ्तार

राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 44 पर ढाबे के बाहर हिस्ट्रीशीटर दीपक गुहणा की हत्या व उसके दोस्त मंदीप पर जानलेवा हमला करने की वारदात में शामिल आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित अनिल उर्फ लीला निवासी मुंडलाना सोनीपत का है। पुलिस ने आरोपित को अदालत में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

दिल्ली से आते समय कार सवार युवकों ने दिया था घटना को अंजाम

एयर इंडिया में पायलट पंजाब के जालंधर स्थित गांव दकोहा निवासी प्रीत कमल सिंह ने 27 फरवरी को बहालगढ़ थाना पुलिस को बताया था कि गांव मुरथल निवासी कपिल आंतिल उनके दोस्त हैं। कपिल ने उनको एक मोबाइल नंबर भेजा था। जब वह दिल्ली के महिपालपुर में थे तो उन्होंने उस नंबर पर कॉल की थी। जिसके बाद बातचीत करने वाले युवक ने उन्हें दिल्ली में ही पीतमपुरा के पास बुलाया था। जब वह उनके पास पहुंचे तो कार में गांव गुहणा निवासी दीपक उर्फ भांजा व कपिल का चचेरा भाई मंदीप मिले थे। दिल्ली से चलकर वह कुमासपुर के पास वीर ढाबा के बाहर रुके थे। वहां पर 3-4 युवक कार में आए थे और दीपक पर गोलियां बरसा दी थी। उसकी 14 गोली मारकर हत्या की थी। इस मामले में पुलिस ने बड़वासनी गांव के पास से राकेश उर्फ फौजी को गिरफ्तार कर लिया था। आरोपित ने कबूल किया है कि उसने राकेश उर्फ पंपू से दोस्ती में दीपक उर्फ भांजा की हत्या की थी। दीपक उर्फ भांजा ने राकेश उर्फ पम्पू के जीजा गांव शाहपुर तुर्क निवासी प्रॉपर्टी डीलर विनोद उर्फ धोला की 10 मार्च, 2014 को गोली मारकर हत्या की थी।

चौकीदार सहित तीन की सड़क हादसों में मौत

■ थाना पुलिस ने शवों का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंपे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सदर थाना क्षेत्र के गोहाना-सोनीपत सड़क मार्ग पर तेज रफ्तार वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में अतिरिक्त जिला उपायुक्त कार्यालय में तैनात चौकीदार घायल हो गया। घायल को उपचार के लिए अस्पताल में लाया गया। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

गांव माहरा निवासी जगदीश अतिरिक्त जिला उपायुक्त कार्यालय में बतौर चौकीदार के तौर पर कार्यरत था। शुक्रवार की शाम को वह बाइक पर सवार होकर ड्यूटी पर आ रहे था। शाम करीब साढ़े छह बजे जब बड़वासनी गांव के पास स्थित पेट्रोल पंप के निकट पहुंचा तो तेज रफ्तार वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों ने घायल को अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामले की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया। पुलिस वाहन चालक की तलाश कर रही है। वहीं गांव गुहणा के ईंट पर काम करने वाले एक श्रमिक की ट्रैक्टर-ट्राली से कुचल कर मौत हो गई। शिकायत पर थाना सदर पुलिस ने आरोपित ट्रैक्टर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। बिहार के जिला मुजफ्फरपुर के रहने वाले सरोज साहनी गांव गुहणा स्थिति बालाजी ईंट भट्टे पर काम करते थे। बुधवार को अन्य श्रमिकों के साथ ट्रैक्टर-ट्राली में सवार होकर सामान खरीदने गए थे।

बुजुर्ग महिला की हादसे में मौत

प्रधानवास गांव की रहने वाली अनीता (70) पिछले तीन वर्षों से किडनी की बीमारी से पीड़ित थीं और दो वर्षों से डायलिसिस करा रही थीं। दो मार्च को उनका बेटा मुरथल रोड स्थित निदान अस्पताल में उनको डायलिसिस के लिए छोड़कर गया था। शाम को वह किसी काम से अस्पताल से बाहर आई थी। इस दौरान उनको कार ने टक्कर मार दी। सूचना मिलने पर उनके बेटे सौरभ अस्पताल पहुंचे। चिकित्सक ने उनको गंभीर हालत के चलते रेफर कर दिया। इसके बाद वह मेरठ के सुभारती अस्पताल ले गए। दो दिन बाद उनको रेफर कर दिया गया। जहां दूसरे अस्पताल में ले जाते वक्त उनकी मौत हो गई। सौरभ ने बताया कि तेरहवीं के बाद जांच करने पर पता चला कि एक क्रेटा कार जिसका चालक मोहित है, ने तेज रफ्तार से गाड़ी चलाकर उनकी मां को टक्कर मारी थी। शिकायत पर थाना मुरथल पुलिस ने मामला दर्ज कार्रवाई शुरू कर दी।

दो वाहनों की टक्कर में गर्भवती महिला की मौत

खरखौदा। सोनीपत से चेकअप कराकर लौट रहे परिवार की गाड़ी को तेज रफ्तार थार ने टक्कर मार दी। हादसे में गर्भवती महिला नीशू की मौत हो गई। हादसा खरखौदा-बरोणा बाईपास पर हुआ। पुलिस ने घायल रवि के चाचा विनोद की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। झज्जर जिले के निलौठी गांव निवासी रवि अपनी पत्नी नीशू, मां ऊषा और डेढ़ साल की बेटी चेष्टा के साथ सोनीपत गया था। वापसी में खरखौदा-बरोणा बाईपास चौराहे पर तेज रफ्तार थार ने उनकी स्विफ्ट कार को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार दो बार पलट गई। राहगीरों और चाय की दुकान पर बैठे युवकों ने परिवार को गाड़ी से बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। खरखौदा सिविल अस्पताल में डॉक्टरों ने नीशू को मृत घोषित कर दिया।

फ्लाइंग ने दो नकलची पकड़े, किए यूएमसी

■ हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की 12वीं कक्षा की परीक्षा, बोर्ड उपाध्यक्ष ने भी किया परीक्षा केंद्रों का दौरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की परीक्षाएं चल रही है। जिनमें आए दिन नकल के मामले सामने आ रहे हैं। शनिवार को भी 12वीं कक्षा की रसायन विज्ञान, लेखांकन व लोक प्रशासन विषयों की परीक्षा में नकल के मामले सामने आए हैं। उड़नदस्ता टीम ने गोहाना के गांव धनाना में बनाए गए परीक्षा केंद्र से नकल करते दो विद्यार्थियों को पकड़ा। विद्यार्थियों के पास पर्चियां मिलने पर उड़नदस्ता टीम ने दोनों के यूएमसी बना दिए। बता दें कि हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की तरफ से शनिवार को 12वीं कक्षा का रसायन विज्ञान, लेखांकन व लोक प्रशासन विषय का पेपर संचालित किया गया। जिले में बनाए गए 59 परीक्षा केंद्रों पर 5351 विद्यार्थियों ने इन विषयों की परीक्षा दी। वहीं परीक्षा को नकल रहित संचालित करवाने के लिए हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के उपाध्यक्ष सतीश शाहपुर ने जिले के आधा दर्जन से अधिक परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया और सभी व्यवस्थाओं की बारीकी से जांच की। उन्होंने ड्यूटी पर तैनात पुलिस को निर्देश दिए कि वह पूरी ईमानदारी के साथ अपनी ड्यूटी का निर्वहन करें। परीक्षाओं को लेकर किसी प्रकार की कोताही नहीं होनी चाहिए। उपाध्यक्ष सतीश ने शिक्षा अधिकारियों को भी बोर्ड की तरफ से जारी हिदायतों की पालना करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अगर कहीं भी नकल करवाने की घटना की सूचना मिली तो संबंधित के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सोनीपत। परीक्षा केंद्र का निरीक्षण करते हुए बोर्ड उपाध्यक्ष एवं अन्य। फोटो : हरिभूमि

पर्चियां मिली

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की 12वीं कक्षा के पेपर में शनिवार को गोहाना के गांव धनाना स्थित परीक्षा केंद्र पर दो विद्यार्थियों को नकल करते पकड़ा है। विद्यार्थियों के पास पर्चियां मिलने पर दोनों के यूएमसी बनाए गए हैं।

-कृष्ण रोहिल्ला, बोर्ड अधीक्षक, सोनीपत

सरपंच से हाथापाई, भतीजे पर चाकू से वार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

गांव सिवानका में दो पक्षों में झगड़ा हो गया। सरपंच अपने भतीजे के साथ बीच बचाव करने के लिए गए। वहां पर एक पक्ष के आरोपित सरपंच को गाली देते हुए हाथापाई करने लगे। भतीजा समझाने के लिए आगे आया तो उसके पेट में चाकू से दो वार किए। उनको नागरिक अस्पताल से बीपीएस राजकीय महिला मेडिकल कालेज के अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। बरोदा थाना में केस दर्ज किया गया। गांव सिवानका के नीरज ने पुलिस को बताया कि वह खेती करता है और उसके चाचा बिजेंद्र गांव के सरपंच हैं। शुक्रवार को उनके पड़ोस में दो पक्षों के लोग झगड़ा कर रहे थे। वह अपने चाचा के साथ दोनों पक्षों को समझाने व बीच बचाव करने के लिए चले गए। मंजीत के मकान के पास काफी लोग इकट्ठा हो रखे थे। मंजीत की रिश्तेदारी से कुछ युवक आए हुए थे। कुछ युवक उसके चाचा के साथ गाली-गलौच व हाथापाई करने लगे। जब वह बीचबचाव करने के लिए आया तो भीड़ का फायदा उठाकर उसके पेट में चाकू से दो बार वार किए गए। आरोपित बेलोरो को लेकर भाग गए। हमलावर मंजीत के रिश्तेदार हैं।

बोतल से सर्विस स्टेशन मालिक पर किया हमला, घायल

■ आरोपित के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज

सोनीपत। मोहाना थाना क्षेत्र में रंजिश के चलते सर्विस स्टेशन मालिक पर शराब की बोतल से हमला कर घायल करने के आरोप का मामला सामने आया है। घायल को उपचार के लिए अस्पताल में लाया गया। मामले की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने पीड़ित के बयान पर आरोपित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। गांव पिनाना निवासी देवेंद्र ने बताया कि खेती-बाड़ी के साथ सर्विस स्टेशन चलाता है। उसका गांव के ही जतिन उर्फ मोनू के साथ पहले कई बार विवाद हो चुका था, जिसका पंचायती तौर पर समझौता हो गया था। बुधवार की रात करीब साढ़े नौ बजे वह अपने सर्विस स्टेशन पर बैठा था। इसी दौरान जतिन वहां आया और उसके सामने कुर्सी पर बैठ गया। कुछ देर बाद आरोपित ने पास में रखी शराब की बोतल को जमीन पर मारकर तोड़ा और कांच से उसकी गर्दन पर वार कर दिया। वह किसी तरफ बच कर अस्पताल पहुंचे। जहां उपचार करवाया। मामले की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल के बयान पर आरोपित के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 0130-2989288, 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

दुल्हेंडी के दिन बंद रही रोडवेज की लॉरी

शनिवार को सड़कों पर आने से राहत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

दुल्हेंडी के मद्देनजर शुक्रवार को दिनभर बंद रहने वाली रोडवेज की लॉरी शनिवार को सड़कों पर उतरी। जहां यात्रियों ने राहत की सांस ली। इस दौरान हालांकि अवकाश होने की वजह से यात्रियों की संख्या अपेक्षाकृत कम रही। रोडवेज विभाग की प्रतिदिन टिकटों से होने वाली आमदनी लाखों रुपए में होती है। ऐसे में शुक्रवार को बस सेवाएं रद्द रहने से विभाग को भी आर्थिक रूप से नुकसान झेलना पड़ा है।

बता दें कि, सोनीपत से दिल्ली, पंजाब सहित विभिन्न राज्यों के लिए है सीधी सोनीपत बस डिपो में मौजूदा समय में 120 से अधिक बसें शामिल है। इनमें पांच ई बसें भी है। सोनीपत बस डिपो से दिल्ली, राजस्थान, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हिमाचल, उत्तराखंड, चंडीगढ़ सहित विभिन्न राज्यों के प्रमुख स्थानों तक सीधी बस सेवा उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त पानीपत, करनाल, अंबाला, जींद, रोहतक सहित विभिन्न जिला मुख्यालयों तक भी सीधी बस सेवाएं उपलब्ध है। रोडवेज विभाग सोनीपत के लोकल रूटों पर भी यात्रियों को बस सेवाएं उपलब्ध करवाता है। वहीं शुक्रवार को जिले में दुल्हेंडी का त्यौहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया था।

दुल्हेंडी में रोडवेज विभाग ने अपनी सभी बस सेवाओं को रोक रखा था। विभाग की तरफ से बसों को बस अड्डे परिसर में खड़ा करके गेट पर ताला लगा दिया गया था। ऐसे में यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ा था। सबसे अधिक दिक्कत लंबे रूटों पर जाने वाले यात्रियों को हुई थी। लेकिन शनिवार सुबह से ही बस सेवाएं सामान्य हो गई, जिसके चलते यात्रियों को राहत मिली।

सोनीपत। त्यौहार के दिन बस परिसर में खड़ी बसें।

नियमित समयानुसार रूटों पर रवाना

त्योहार के दिन विभाग के दिशा- निर्देशों के चलते बसों को रोक दिया था। सेवाओं के फिर से शुरू कर दिया है। बसें अपने नियमित समय पर संबंधित रूटों पर रवाना सुबह से ही कर दिया है। यात्रियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए कारगर कदम उठाए जा रहे है।

-सुरेन्द, एसएस, सोनीपत बस डिपो।

खरखौदा। विधायक के कार्यालय पर जुटे नवनिर्वाचित पार्षद। फोटो : हरिभूमि

शीर्ष नेतृत्व जिस पार्षद को आशीर्वाद देगा, वही होगा उपाध्यक्ष : विधायक

खरखौदा। विधायक पवन खरखौदा के कार्यालय में 16 में से 14 नव निर्वाचित पार्षद पहुंचे। सभी ने सहमति जताई कि मुख्यमंत्री नायब सैनी, मोहनलाल बड़ौली और पवन खरखौदा जिसका चयन करेंगे, उसे वाइस चेयरमैन बनाया जाएगा। पवन खरखौदा ने कहा कि अगर भाजपा ने सभी पार्षदों को टिकट दिया होता, तो सभी 16 पार्षद भाजपा के ही होते। जिस तरह से भाजपा चुनावी चिह्न पर अध्यक्ष जीते हैं, उसी तर्ज पर पार्षद भी भाजपा समर्थित ही बनते। अभी भी 13 पार्षद भाजपा समर्थित हैं। बाकी ने भी भाजपा ज्वाइन कर ली है। उन्होंने कहा कि सभी पार्षद अपने कार्य को लेकर गंभीर हैं। पहले से ही समाज सेवा में जुटे हैं। इन्हें स्ट्रीट लाइट के पॉइंट ढूंढने की जिम्मेदारी दी गई थी, ताकि जहां जरूरत हो, वहां रोशनी की व्यवस्था हो सके। एमएलए पवन खरखौदा ने सभी नवनिर्वाचित पार्षदों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि जैसे ही पार्टी का आदेश आएगा, वाइस चेयरमैन का नाम घोषित कर दिया जाएगा। उन्होंने सभी पार्षदों के समर्पण के लिए आभार जताया। भविष्य में अच्छे कार्य करने की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि खरखौदा के विकास के लिए लगातार प्रयास जारी रहेंगे। किसी भी तरह की कमी नहीं छोड़ी जाएगी।

आज के दौर में अकसर देखा जाता है कि अधिकतर युवा आपस में बातचीत के दौरान भाषा की मर्यादा का ध्यान नहीं रखते हैं। वे अपनी पर्सनालिटी को बिंदास दिखाने के लिए प्राय: ऐसा करते हैं। सच्चाई यह है कि इससे न केवल उनकी सोशल इमेज बिगड़ती है, वर्कप्लेस पर आगे बढ़ने की राह में भी ऐसी भाषा रुकावटें पैदा करती है। इसलिए संवाद के दौरान सजग रहना जरूरी है।

आपसी संवाद की भाषा हो
मर्यादित-सकारात्मक-मधुर

कवर स्टोरी
डॉ. मोनिका शर्मा

वर्चुअल दुनिया में परोसे गए कंटेंट की अमर्यादित भाषा को लेकर चल रही बहस के बीच हर किसी के लिए सभ्य शब्दों का महत्व समझना आवश्यक है। आभासी संसार से कहीं ज्यादा, असली दुनिया में सधी संतुलित अभिव्यक्ति जरूरी है। खासकर कूल बनने और कमाल का व्यक्तित्व हो जाने की भूल-भुलैया के इस दौर में युवाओं को यह बात समझनी ही होगी। जरूरी है कि अपने वर्कप्लेस पर भी शब्दों की सभ्यता का दामन थामे रहें। सधी छवि और सफल भविष्य के लिए वर्कप्लेस पर सभ्य भाषा बहुत मायने रखती है।

शब्दों से जुड़ा सम्मान

काम-काजी संसार में किसी भी तरह के लिखित या मौखिक बातचीत में असभ्य शब्दों का इस्तेमाल करने से बचें। किसी भी परिस्थिति में न तो असभ्य शब्द लिखें और न ही बोलें। ध्यान रहे कि आपके शब्दों से स्वयं का सम्मान भी जुड़ा है। यह न भूलें कि दूसरों के मन और मान को ठेस पहुंचाने वाले शब्द इस्तेमाल करने वाले खुद भी किसी से इज्जत नहीं पाते हैं। बावजूद इसके ऑफिस में भी ह्यूमर के नाम पर किसी सहकर्मी या सहायक स्टाफ की हंसी उड़ाने की गलती बहुत से लोग करते हैं। इस तरह के असामान्य और कुंठाग्रस्त व्यवहार के घेरे में आने से बचने के लिए पहले ही कदम पर सजगता जरूरी है। वरना जाने-अनजाने कुछ भी कह-सुना देने की आदत बनती जाती है। बिना सोचे-समझे मुंह से अभद्र शब्द निकलने लगते हैं। करियर को नुकसान पहुंचाने वाली यह आदत खुद आपको भी एक कुंठित व्यक्तित्व ही देती है। जोश भरे युवाओं को हर पल याद रखना चाहिए कि काम-काजी दुनिया में अनुशासित रहना बहुत आवश्यक है। अच्छी भाषा, इसी अनुशासन का हिस्सा है। अनुशासन के दायरे में रहते हुए सदा सकारात्मक ढंग से बातचीत करने की राह चुनने में ही समझदारी है। किसी के साथ भी असभ्य संवाद करने से पहले याद रखिए कि ये शब्द स्वयं आपके सम्मान से भी जुड़े हैं।

इमेज पर पड़े बुरा प्रभाव

बातचीत में इस्तेमाल होने वाले अभद्र शब्द, इंसान की बॉडी लैंग्वेज भी बिगाड़ देते हैं। बोलने वाले के हाव-भाव को भी नेगेटिव रंगत में ढाल देते हैं। शब्दों पर कंट्रोल न करना, इंसान की बॉडी लैंग्वेज को अजीबो-गरीब बना देता है। समझना मुश्किल नहीं कि ऐसी सभी बातें व्यक्तित्व को गहराई से प्रभावित करती हैं। जो सीधे-सीधे वर्कप्लेस पर आपकी इमेज बिगाड़ने वाली साबित होती हैं। वहीं सोच-समझकर बोलना, न केवल आपका फर्स्ट इंप्रेशन पॉजिटिव बनाता है बल्कि आगे भी आपकी सकारात्मक छवि को कायम रखता है। सोशल लाइफ हो या प्रोफेशनल, सोशल एटिकेट्स हमेशा मायने रखते हैं। आपको यह समझना चाहिए कि बातचीत में गलत शब्दों का चुनाव, आपको असहयोगी और अकड़ू व्यक्ति का तमगा दिलाने वाला बर्ताव साबित हो सकता है।

बेहतरी के लिए सही भाषा जरूरी

काम-काजी दुनिया में आपसे जुड़े सीनियर हों या जूनियर, सही सोच और अच्छे मैनर्स से सबका दिल जीता जा सकता है। स्पष्ट है कि इससे करियर में आगे बढ़ने में भी मदद मिलती है। बेहतर प्रोजेक्ट्स आपके हिस्से आते हैं। इतना ही नहीं सभ्य भाषा और सधा बर्ताव कई बार आपको किसी तकलीफ में फंसने से भी बचा लेता है। सहकर्मियों के साथ किया गया मीनिंगफुल और माइंडफुल संवाद काम-काज के लिए पॉजिटिव परिवेश बनाता है, जिसके चलते लोगों का दिल जीतने के साथ-साथ कामयाबी भी आपके हिस्से आती है। मन जीतने के इन सभी मोर्चों पर अच्छी भाषा सबसे ज्यादा मायने रखती है। असल में देखा जाए तो सकारात्मक शब्दों और सभ्य बोलचाल के प्रभाव का यह सिलसिला इंटरव्यू से ही शुरू हो जाता है। बावजूद इसके युवाओं की अजीबो-गरीब भाषा शैली आज चिंता का विषय बन गई है। मनोवैज्ञानिक विश्लेषणों में भी सामने आया है कि आमतौर पर युवा बेझिझक अपशब्दों का इस्तेमाल करते हैं। इस बर्ताव के पीछे मौजूद साइकोलॉजिकल कारण बताते हैं कि आज की युवा पीढ़ी बोलने या करने से पहले कुछ नहीं सोचती। साथ ही वे इस बात से भी प्रभावित नहीं होते कि कोई उनके बारे में क्या सोचेगा? या उनके बोले शब्दों का किसी पर क्या प्रभाव पड़ेगा? सच्चाई यह है कि जीवन का कोई पक्ष, अशिष्ट शब्दों के नकारात्मक असर से नहीं बच पाता है। जरूरी है कि युवा आज के दौर में बढ़ती शाब्दिक अभद्रता की संस्कृति से बचें। दफ्तर में भावों, विचारों और सूचनाओं का आदान-प्रदान करते हुए संयत और सभ्य शब्दों का चुनाव करें। सधे व्यक्तित्व की सौगात देने वाला यह व्यवहार आपके लिए सदा ही बेहतरी के मार्ग खोलने वाला साबित होगा। *

संवाद से जुड़ा कारगर फॉर्मूला

प्रसिद्ध शोधकर्ता अल्बर्ट मेहराबियन द्वारा दिए गए 55-38-7 का फॉर्मूला बताता है कि कम्युनिकेशन 55 फीसदी नॉन वर्बल (शारीरिक भाषा यानी हाव-भाव) और 38 प्रतिशत वोकल (स्वर के द्वारा) होता है। संवाद में सिर्फ 7 फीसदी हिस्सा ही वर्बल यानी शब्दों से प्रकट होता है कि आप वास्तव में क्या कहते हैं? ऐसे में मजाक हो या प्रतिक्रिया देना, गलत शब्दों का इस्तेमाल आपकी अभिव्यक्ति की पूरी शृंखला ही बिगाड़ सकता है। इसलिए हर किसी को संवाद के दौरान अपने शब्दों के इस्तेमाल को लेकर पूरी तरह सजग रहना चाहिए।

इन दिनों आप अकसर बातचीत के दौरान अलग-अलग पीढ़ियों के लिए कुछ खास नाम सुनते होंगे, जैसे जेन एक्स, मिलेनियल, जेन जेड, बेबी बूमर्स आदि। आपके मन में सवाल उठता होगा कि आखिर ये नाम कैसे रखे जाते हैं? इनकी क्या विशेषताएं हैं? आइए, इन सभी सवालों के जवाब जानते हैं।

एक-दूसरे से अलग-अनोखी है
हर जेनरेशन की कहानी

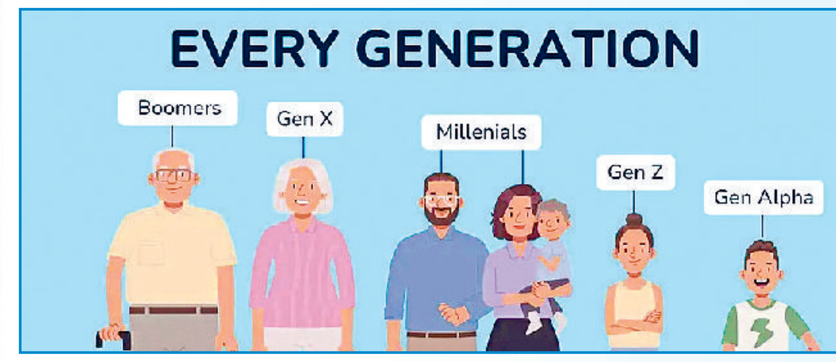

सोशल ट्रेंड
शिखर चंद जैन

एक समय तक आम चलन में नई और पुरानी पीढ़ी का ही जिक्र किया जाता रहा है। लेकिन अब अलग-अलग पीढ़ी को अलग नामों से भी जाना जाता है। इनका चलन हाल के सालों में तेजी से बढ़ा है।

कैसे तय होता है पीढ़ियों का नाम: पीढ़ियों का नाम तय करना, श्रमसाध्य, विचारपरक और कई चीजों पर आधारित एक जटिल प्रक्रिया है। यह एकेडमिक अनुसंधान, मीडिया के प्रभाव और सांस्कृतिक प्रभाव पर निर्भर करता है। जनसांख्यिक और समाजशास्त्री जनसंख्या सर्वेक्षणों, जन्म दरों और सामाजिक परिवर्तनों की पहचान के आधार पर ये नामकरण करते हैं। हां, इसे लोकप्रिय और प्रचलित करने का काम मीडिया का होता है।

नया ट्रेंड है पीढ़ियों का नामकरण: पीढ़ियों के नामकरण और श्रेणीबद्ध करने की परंपरा बहुत पुरानी नहीं है। 20वीं सदी की शुरुआत में इसका चलन शुरू हुआ है। इस वक्त जनसांख्यिकों और समाजशास्त्रियों ने जनसंख्या का विश्लेषण और सामाजिक बदलाव को दर्ज करना शुरू कर दिया था। पीढ़ियों के नाम महत्वपूर्ण सामाजिक, सांस्कृतिक घटनाओं, विभिन्न आयु वर्ग की आदतों और समय विशेष पर आधारित होने लगे। अब आपको बताते हैं, अब तक की अलग-अलग पीढ़ियों के नामकरण के बारे में।

बेबी बूमर्स: वर्ष 1946 से 1964 के बीच जन्मे बच्चों को बेबी बूमर्स कहा गया। दरअसल, द्वितीय विश्व युद्ध के बाद एक बेबी बूम आया था, जब दुनिया में जन्म दर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई थी। इस पीढ़ी ने 60 के दशक के बड़े सामाजिक परिवर्तन देखे। इसी दौरान कार्पोरेट जगत का उदय हुआ और और लोगों की जीवनशैली पर इस संस्कृति का खासा प्रभाव पड़ा। उस दौर के लोग आज सीनियर सिटिजन हो चुके हैं।

जेनरेशन एक्स: 1965 से 1980 के बीच जन्मे बच्चे, जेनरेशन एक्स कहलाते हैं। इस दरमियान समाज में कोई उल्लेखनीय और व्यापक परिवर्तन नहीं हुए। यद्यपि उस पीढ़ी के बच्चों ने पर्सनल कंप्यूटर का उद्भव होते देखा है। उस दौर के लोग अब मिड एज क्रॉस कर ओल्ड एज की ओर बढ़ रहे हैं।

मिलेनियल/जेन वाई: 1981 से 1996 के बीच जन्मे बच्चों को मिलेनियल कहा जाता है। उस पीढ़ी के लोगों ने 'मी जेनरेशन' या 'ईको बूमर्स' भी कहा जाता है। उस पीढ़ी को अपने में ही डूबे रहने, एकलवाद, डिजिटल टेक्नोलॉजी की जानकार और आर्थिक रूप से संपन्न माना गया। ये पीढ़ी मैटीरियल पजेजन से ज्यादा एक्सपीरियंस को महत्व देती थी।

जेनरेशन जेड: 1990 के मध्य से 2010 तक के दशक की शुरुआत तक जन्मी पीढ़ी को जेन जेड कहा जाता है। इस पीढ़ी को इसकी ग्लोबल कनेक्टिविटी और एंटरप्रेन्योरल स्पिरिट के लिए जाना जाता है। इन्हें कहीं-कहीं आई जेनरेशन और डिजिटल नेटिव्स भी कहा जाता है। इस पीढ़ी के बच्चे स्मार्टफोन, सोशल मीडिया और सूचनाओं के त्वरित ग्रहण और उसे दूसरों तक प्रसारित करने के लिए जाने जाते हैं। ये पीढ़ी अभी युवावस्था से गुजर रही है।

जेनरेशन अल्फा: 2010 से 2024 के बीच जन्मे बच्चे जेनरेशन अल्फा के बच्चे कहलाते हैं। अल्फा 21वीं सदी की पहली पीढ़ी कही जा सकती है। यह पीढ़ी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ऑगमेंटेड रियलिटी और स्मार्ट टेक्नोलॉजी के साए में जन्मी, पली और बड़ी हुई है। उनकी शिक्षा, खेलकूद, एंटरटेनमेंट सब कुछ टेक्नोलॉजी से अत्यधिक प्रभावित है। यह पीढ़ी अभी टीनएज से गुजर रही है। इसके बाद इसी साल एक जनवरी 2025 के बाद से जन्म लेने वाली पीढ़ी को जेन बीटा का मेंबर माना जा रहा है। इनके जीवन के हर पक्ष में तकनीक का जबर्दस्त प्रभाव दिखेगा।

एक पीढ़ी के गुणों में समानता: यह एक जटिल प्रश्न है कि क्या दुनिया भर में जन्मे एक पीढ़ी के लोगों में समानता होती है? यह काफी कुछ दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में घटने वाली घटनाओं, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, वातावरण एवं सामाजिक ढांचे पर निर्भर करता है। लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं कि इंटरनेट युग में जन्मी ग्लोबल युवा पीढ़ी के बहुत सारे गुण और आदतें लगभग एक समान होते हैं। *

क्या है सैंडविच पीढ़ी

सैंडविच पीढ़ी का अर्थ मध्यम आयु वर्ग यानी 45 से 55 वर्ष के इर्द-गिर्द के व्यक्तियों से है। इन पर अपने बुजुर्ग माता-पिता और युवा बच्चों दोनों का भरण-पोषण करने की जिम्मेदारी है। सैंडविच पीढ़ी का नाम इसलिए रखा गया है, क्योंकि वे अपने बूढ़े माता-पिता की देखभाल करने के दायित्व और किशोरावस्था से युवा होते बच्चों की नई-नई फरमाइशों और चाहतों के बीच 'सैंडविच' जैसी स्थिति में होते हैं। ये कम ऊर्जावान, थके-थके से या बीमारियों से जूझने वाले हो सकते हैं। विभिन्न कार्य करने में असमर्थ हो सकते हैं या इनका वित्तीय रुप से अकसर हाथ तंग हो सकता है। इन्हें इस उलझन से गुजरना पड़ता है कि मां-बाप के लिए दवा और तीर्थाटन की व्यवस्था करें या बच्चों को महंगे गैजेट्स और ब्रांडेड कपड़े खरीदकर दें।

गजल
अब्दुल कलाम

हम अमर होते

सुबह शाम उनकी नजर होते
आइना काश हम अगर होते

तुरबतें अपनी भी बाकमाल होती
हम जो मीर, गालिब या जफर होते

खत में पता ही गलत था वरना
गए हम भी उनके शहर होते

बैठ जाते घनी छांव में थक कर
हमारे जीवन का जो तुम शजर होते

तुम्हारी याद में जीते और याद में
मर कर भी हम अमर होते

तुमने देखा ही नहीं उस रोज का अखबार
वरना हमारे हाल से तुम बाखबर होते

छोटी कहानी
सुनील कुमार महला

शर्मिंदा

ऑटो रिक्शा में अनिल के बगल में आकर वह व्यक्ति जैसे ही बैठा, उसने अपना एक हाथ अनिल के बैग पर रख दिया। अनिल ने उसे ऐसा करने से मना किया। लेकिन उस आदमी ने हाथ रखने की जो वजह बताई, अनिल खुद पर शर्मिंदा हो गया।

रेलवे स्टेशन के बाहर खड़ा अनिल, बस स्टैंड जाने के लिए ऑटो रिक्शा का इंतजार कर रहा था। तभी एक ऑटो रिक्शा वाला तीस रुपए में बस स्टैंड जाने के लिए तैयार हो गया। अनिल ने अपने दो भारी-भरकम बैग ऑटो रिक्शा में रखे और स्वयं भी उसमें सवार हो गया। ऑटो रिक्शा में अनिल अकेला ही बैठा था। जब कोई अन्य सवारी ऑटो में बैठने नहीं आई तो उसने अपने एक बैग को ऑटो रिक्शा की सीट पर ही रख दिया, ताकि पैरों के पास सामान रखने से उसे ऑटो रिक्शा में बैठने में कोई दिक्कत-परेशानी न हो। शाम का समय था, ठंडी हवाएं चल रही थीं, इसलिए अनिल ने अपने चेहरे को मफलर से ढंक रखा था। ऑटो रिक्शा वाला अभी एक अन्य सवारी के इंतजार में था। थोड़ी देर में एक लंबा व्यक्ति, जो कंबल ओढ़े हुआ था, बस स्टैंड जाने के लिए उसी ऑटो रिक्शा के पास आया। ऑटो रिक्शा वाले ने उस व्यक्ति को भी ऑटो में बिठाया। वह लंबा व्यक्ति ऑटो रिक्शा में उस साइड में बैठ गया, जिधर सीट पर अनिल का सामान से भरा हुआ भारी-भरकम बैग रखा हुआ था। ऑटो रिक्शा में सवार होते ही कंबल ओढ़े हुए उस व्यक्ति ने अपना दायां हाथ बैग के ऊपर रख दिया और संभल कर बैठ गया। ऑटो रिक्शा वाला गंतव्य की ओर चल पड़ा। तभी अनिल ने ऑटो रिक्शा में बैठे उस व्यक्ति की ओर देखते हुए थोड़ा गुस्से में कहा, 'भाई साहब! जरा ध्यान से बैठें और हां, बैग को इतना दबाव देते हुए न पकड़ें। दरअसल, बैग में बच्चों के लिए कुछ टूटने वाला कीमती सामान रखा हुआ है और आपके हाथ के दबाव से इसमें रखा सामान टूट सकता है।'

कंबल ओढ़े हुए वह व्यक्ति अनिल की बात सुनकर एकदम से सकपका गया, उसने अनिल से कहा, 'अरे भाई साहब मुझसे गलती हो गई! मुझे नहीं पता था कि इसमें आपका कुछ टूटने वाला कीमती सामान रखा हुआ है। दरअसल, वो क्या है कि मेरा एक ही हाथ है न! ऑटो रिक्शा जब ऊबड़-खाबड़ सड़क पर तेजी से चलता है, तब एकदम से ऑटो रिक्शा में अपना बैलेंस बनाना मुश्किल होता है इसलिए, थोड़ा सहारा लेने के लिए, भूलवश मैंने आपके सामान से भरे बैग पर अपना हाथ रख दिया। इसके लिए मुझे माफ कर दीजिए, मैं बहुत शर्मिंदा हूं।' उस व्यक्ति की ये बातें सुनकर अनिल उसे एकटक देखता ही रह गया। दरअसल, अनिल ने कंबल ओढ़े व्यक्ति को ऑटो रिक्शा में बैठते समय एकबारगी देखा जरूर था, लेकिन उस व्यक्ति के कंबल ओढ़े रहने के कारण सुनील को इस बात का अहसास ही नहीं हुआ था कि जो व्यक्ति ऑटो में उसके साथ बैठा था, उसके एक ही हाथ है। अनिल अब अपने रूखे बर्ताव पर मन ही मन शर्मिंदा महसूस कर रहा था। *

लघुकथा
गोविंद भारद्वाज

बदलते हुए मायने

अपने बेटे के लिए सोनाक्षी को देखने आईं सावित्री ने कहा, 'आपकी बेटी सोनाक्षी हमें बहुत पसंद है, बस अब आपकी हां की जरूरत है।'

'हमारी तो हां है बहन जी... इसलिए तो आपको लड़की दिखाने के लिए बुलाया है।' पार्वती ने खुश होकर जवाब दिया।

'तो देर किस बात की है... मुंह मीठा कराइए...' सावित्री ने तपाक से कहा।

इस पर पार्वती ने विनम्रता से कहा, 'बहनजी रिश्ता पक्का करने से पहले दान-दहेज की भी खुल के बात कर लें तो ठीक रहेगा... ताकि आगे चलकर संबंधों में कोई खटास न आए।'

'बात तो आप ठीक कह रही हैं। इस बारे में मेरी राय यह है कि दहेज से तो हमें सख्त नफरत है... हां रही दान की बात, आप जितना भी देंगे अपनी इकलौती बिटिया को देंगे... इससे हमें कोई ऐतराज नहीं होगा।' सावित्री ने अपने मन की बात कही।

इस पर सोनाक्षी के पिताजी ने अपनी धर्मपत्नी पार्वती को दूसरे कमरे में बुलाया और उनसे धीरे से कहा, 'देखा पार्वती... कितनी चालाक हैं ये... दहेज से नफरत है और दान से नहीं... बातों-बातों में शब्दों के हेर-फेर से दहेज लेने की बात भी कह दी।'

पार्वती बोली, 'तुम ठीक कह रहे हो सोनाक्षी के पापा... मायने में तो दान और दहेज कोई अलग-अलग शब्द नहीं हैं।'

'क्या बातचीत हो रही है हमारे समधी-समधन में...' सावित्री ने उन्हें फुसफुसाते देखकर बाहर वाले कमरे से पूछा।

'कुछ नहीं बस, हम दुनिया के बदलते हुए मायने पर विचार कर रहे थे।' पार्वती ने जवाब दिया। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

मोहब्बत की दास्तानें

सारी दुनिया में मोहब्बत पर अब तक असंख्य कहानियां लिखी जा चुकी हैं। लेकिन यह ऐसा एहसास है, जिसे हर कोई अपनी तरह से महसूसता है, उसे बयां करता है। यह एहसास, वरिष्ठ कथाकार गोविंद उपाध्याय द्वारा लिखी गई पंद्रह प्रेम कहानियों के संकलन 'मितऊ' की कहानियों से गुजरते हुए और पुख्ता होता है। इन कहानियों में अलग-अलग उम्र और परिवेश के पुरुष और स्त्री के बीच पनपे प्यार के जज्बातों को पूरी संजीदगी से व्यक्त किया गया है। संग्रह की 'विकल्प' कहानी को अगर छोड़ दिया जाए तो अधिकतर में प्यार अपने अंजाम तक नहीं पहुंच पाता है। या कहें, सभी में अलग-अलग भावभूमि और जीवन-परिस्थितियों के आगे विवश, प्रेमी युगल विरह की टीस के साथ एक-दूसरे से अलग हो जाते हैं। इन कहानियों की विशेषता यह भी है कि इनके नायक-नायिकाओं में कहीं भी देहासक्ति नजर नहीं आती है, प्रेम की पवित्र भावना की गरिमा बनाए रखना उनके लिए सबसे बड़ी प्राथमिकता है। इसे कई कहानियों में देख सकते हैं। फिर वो चाहे 'मेज नंबर सात' का लाइब्रेरियन हो या 'चौथे पहर का विरह गीत' का पत्रकार, प्रेम की मर्यादा को कभी नहीं लांघते हैं। यही इन कहानियों की खूबसूरती भी है, जो इन्हें बेहद पठनीय बना देती है। *

पुस्तक: मितऊ (कहानी संग्रह), **लेखक:** गोविंद उपाध्याय, **मूल्य:** 250 रुपए, **प्रकाशक:** न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन, नई दिल्ली

संयुक्त अरब अमीरात का दुबई शहर, पूरी दुनिया में अपनी खूबसूरती और आधुनिक सुख-सुविधाओं के लिए जाना जाता है। इसे खूबसूरत बनाने के लिए शहर की व्यवस्थित प्लानिंग, प्रशासनतंत्र और स्थानीय लोगों का सामूहिक योगदान है। कुछ समय से दुबई में रह रहे लेखक ने वहां की खासियतों को स्वयं अनुभव किया है। उसी को बयां कर रहे हैं अपनी जुबानी।

आधुनिकता-विविधता को समेटे शानदार-खूबसूरत शहर दुबई

बेमिसाल

जोगिंदर रोहिल्ला

दुनिया के कई देशों में रहने और काम करने का अनुभव मुझे मिलता रहा है। फिलहाल दुबई में हूं। इस शहर की कई विशेषताएं ऐसी हैं, जो इसे दुनिया भर से अलग बनाती है। यह शहर आधुनिकता, विविधता और स्वच्छता का अनोखा संगम कहा जा सकता है। इस शहर की सड़कों से गुजरते हुए, मुझे इसकी हरियाली, चमचमाती गगनचुंबी इमारतें और अनुशासित जीवनशैली बहुत प्रभावित करती है। 'हरियाली' शब्द पढ़कर आप चौंक तो नहीं गए! दुबई तो संयुक्त अरब अमीरात में है, जो रेगिस्तानी इलाके के रूप में जाना जाता है। तो यहां हरियाली कैसे? शुरू-शुरू में मुझे भी यही आश्चर्य हुआ था, लेकिन सच यह है कि यहां के बहुत से रिहायशी इलाके बहुत ही व्यवस्थित ढंग से हरे-भरे नजर आते हैं।

इमारतों-सड़कों का आकर्षण: दुबई अपनी गगनचुंबी इमारतों और अद्वितीय वास्तुकला के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। बुर्ज खलीफा, जो दुनिया की सबसे ऊंची इमारत है, दुबई की पहचान बन चुकी है। लेकिन यही नहीं इस शहर की लगभग हर ऊंची इमारत में कोई न कोई ऐसी खासियत है, जो इसे अलग बनाती है। ये खूबसूरत-गगनचुंबी इमारतें न केवल आधुनिकता का प्रतीक हैं, बल्कि इनसे दुबई का भविष्य भी झांकता दिखाई देता है। दुबई शहर की मुख्य सड़क शेख जायद रोड, जिसके दोनों ओर शानदार इमारतें हैं, ऐसा स्थान है, जो शहर की गतिशीलता और ऊर्जा को भी दर्शाती है। रात के समय इमारतों की जगमगाती रोशनी और सड़कों पर दौड़ती गाड़ियां अत्याधुनिक शहर का मनमोहक दृश्य प्रस्तुत करती हैं।

मन मोहती स्वच्छता: दुबई में कदम रखते ही सबसे पहली बात, जो ध्यान आकर्षित करती है, वह है यहां की बेहतरीन स्वच्छता। चारों तरफ इतनी सफाई रहती है कि आप हैरान हो जाएंगे। मैं दुबई मरीना एरिया में कुछ दिन रहा और नोट किया कि सूरज निकलने से काफी पहले ही म्युनिसिपेलिटी के सफाई कर्मचारी अपने काम में लग जाते हैं और निश्चित करते हैं कि सफाई में कोई भी कमी न रहे। दुबई का हर कोना मानो, यह संदेश देता है कि स्वच्छता ही असली सुंदरता है।

सभी करते हैं नियमों का पालन: यातायात संबंधी कोई परेशानी यहां नजर नहीं आती है। सभी यातायात नियमों का पालन करते हैं। इन नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए कड़े दंड का प्रावधान है। उदाहरण के लिए अगर आप सड़क पार करते समय निर्धारित स्थानों का उपयोग नहीं करते हैं तो आपको स्थानीय 400 दिरहम (एईडी) का जुर्माना भरना पड़ सकता है। यह न केवल लोगों को अनुशासित रहने के लिए प्रेरित करता है, बल्कि शहर की स्वच्छता और सुरक्षा बनाए रखने में भी मदद करता है। बहुत सारे विकसित देशों की तरह ही दुबई में भी सड़क पर पैदल चलने वाले लोगों को प्राथमिकता दी जाती है।

सी-बीच के लाजवाब नजारे: दुबई के समुद्र तट भी इसकी खासियतों में से एक हैं। साफ-सुथरे और व्यवस्थित समुद्र तटों पर समय बिताना किसी जादुई अनुभव से कम नहीं होता है। मुझे विशेष रूप से दुबई की बीच लाइब्रेरी बहुत पसंद आई। समुद्र किनारे किताबें पढ़ने का अनुभव अनोखा और सुकून भरा होता है। यह न केवल मनोरंजन का माध्यम है, बल्कि ज्ञानवर्धन का भी। इन तटों पर सुबह-सुबह की सैर और सूर्यास्त के समय का दृश्य मन को असीम शांति प्रदान करता है। दुबई स्थित मरीना बीच और जुमेराह बीच का साफ और व्यवस्थित वातावरण इसे और भी खास बनाता है। यहां आने वाले पर्यटकों के लिए विभिन्न प्रकार के वॉटर स्पोर्ट्स का आयोजन भी किया जाता है, जो पर्यटकों को बहुत आकर्षित करता है।

दिखती है अनेकता में एकता: दुबई शहर की एक विशेषता, यहां विविधताओं का अनोखा संगम भी है। यहां 100 से अधिक देशों के लोग मिल-जुलकर रहते हैं। अलग-अलग संस्कृति, भाषा और परंपराओं के बावजूद यहां के लोग एक-दूसरे का सम्मान करते हैं। इतनी विविधता के बावजूद, दुबई एकता की मिसाल कायम करने वाला शहर है। यहां की दुकानों और बाजारों में विभिन्न देशों के व्यंजन और उत्पाद आसानी से मिल जाते हैं, जो इस सांस्कृतिक समृद्धि को और भी उजागर करते हैं।

हर जगह दिखती है सुचारु व्यवस्था: दुबई की सार्वजनिक सेवाएं भी बेजोड़ हैं। यहां की मेट्रो सेवा, बस सेवा और टैक्सी सेवा इतनी व्यवस्थित है कि किसी को भी यात्रा करने में कोई दिक्कत नहीं होती है। यहां का सार्वजनिक परिवहन इतना सुविधाजनक है कि आप बिना किसी परेशानी के शहर के कोने-कोने तक पहुंच सकते हैं। स्वास्थ्य सेवाएं और सरकारी कार्यालयों की कार्यप्रणाली इतनी तेज और प्रभावी है कि समय का सम्मान हर जगह नजर आता है।

दुनिया के कई देशों में घूमने के बाद, दुबई ने मुझे यह सिखाया है कि जब विविधता, अनुशासन और स्वच्छता का संगम होता है, तो एक बेहतर शहर-समाज का निर्माण होता है। *

बेमिसाल है मोहम्मद बिन राशिद लाइब्रेरी

दुबई में कोई पुस्तकप्रेमी पर्यटक आए और मोहम्मद बिन राशिद लाइब्रेरी न जाए, यह तो हो ही नहीं सकता है। वैसे भी मैं दुनिया में जिस भी नए शहर जाता हूं, वहां की लाइब्रेरी जरूर देखता हूं। लेकिन मोहम्मद बिन राशिद लाइब्रेरी को देखकर यही कहने को दिल करता है कि ऐसी लाइब्रेरी कोई और नहीं है। इस लाइब्रेरी की बिल्डिंग भी बुक शेप्ड है। यहां टेक्नोलॉजी और किताबों को बहुत ही अच्छे तरीके से एक जगह पर संजोया गया है। इस लाइब्रेरी में विभिन्न विषयों पर बेशुमार पुस्तकें और उनके डिजिटल फॉर्मेट्स बुक लवर्स के लिए उपलब्ध हैं।

यादगार नए साल का स्वागत

इस साल दुबई में नए साल (वर्ष 2025) का स्वागत करना मेरे जीवन का एक यादगार अनुभव रहा। मरीना बीच पर आतिशबाजी का शानदार प्रदर्शन, संगीत और खुशियों की गूंज ने इस पल को अविस्मरणीय बना दिया। नए साल के मौके पर सड़कों पर उमड़ी भीड़ और हर चेहरे पर खुशी की चमक इस शहर की जिंदादिली का प्रतीक थी। उसे देखकर यही लगा कि यहां के उत्सवप्रेमी लोग खुशी के हर अवसर को उल्लास से भर देते हैं।

सेल्फ मोटिवेशन

अतुल मलिकराम

गरीबी केवल आर्थिक स्थिति नहीं होती है, यह एक मानसिकता का भी परिणाम होती है। जब तक हम अपनी सोच नहीं बदलते, तब तक अपनी स्थिति में बदलाव करना मुश्किल है। यह बदलाव कैसे संभव है, इसके लिए क्या जरूरी है, हमें जरूर जानना चाहिए।

पैसा नहीं सोच बनाती है हमें अमीर या गरीब

गरीबी, हमारे देश-समाज में एक ऐसी समस्या है, जिसे खत्म करने के लिए सबसे ज्यादा प्रयास किए गए। इसके लिए हर प्रकार की योजनाएं, कार्यक्रम और अभियान चलाए गए, फिर भी इस समस्या से छुटकारा नहीं पाया जा सका। इसका एक कारण यह है कि इस समस्या को केवल एक आर्थिक स्थिति मानकर ही इसका हल खोजा जाता रहा है, जबकि यह समस्या केवल आर्थिक अभाव की स्थिति नहीं है, बल्कि इससे बढ़कर यह एक मानसिक स्थिति भी है।

सोच रखती है मायने: गरीब होना केवल पैसों की कमी का नाम नहीं होता है, बल्कि यह उस सोच का भी परिणाम है, जो किसी को गरीबी के जाल से बाहर निकलने से रोकती है। कई बार लोग गरीबी को केवल आर्थिक दृष्टिकोण से देखते हैं। उनके अनुसार, गरीबी मिटाने का समाधान केवल धन है। लेकिन, क्या सचमुच ऐसा है? यदि केवल आर्थिक मदद से गरीबी दूर हो सकती, तो अब तक दुनिया से गरीबी का नामो-निशान मिट चुका होता। लेकिन ऐसा नहीं हो सका है।

मानसिकता होती है जिम्मेदार: आर्थिक स्थिति के साथ-साथ गरीबी उस मानसिकता का परिणाम है, जिसमें इंसान अपने आप को परिस्थितियों का गुलाम मान लेता है। ऐसी सोच वाले लोग अपनी स्थिति को बदलने का प्रयास ही नहीं कर पाते। आपने कई बार देखा और सुना होगा कि कुछ परिवार पीढ़ी-दर-पीढ़ी गरीब रहते हैं। इसका कारण केवल आर्थिक संसाधनों की कमी नहीं है, बल्कि वह मानसिकता है, जो उनकी हर पीढ़ी को विरासत में मिलती है। बच्चे अपने परिवार के वातावरण और सोच को आत्मसात कर लेते हैं। जब वे अपने माता-पिता को यह कहते सुनते हैं, 'हम तो हमेशा से गरीब हैं', या 'गरीबी के साए में पलना-बढ़ना ही हमारी किस्मत में है', तो उनके मन ही नहीं, बल्कि जीवन में भी यही विश्वास घर कर जाता है। और यही विश्वास फिर धीरे-धीरे उनकी सोच और व्यवहार का हिस्सा बन जाता है। इस प्रकार, एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक यह मानसिकता हस्तांतरित होती रहती है और गरीबी नाम का यह साया और भी काला होता चला जाता है।

सही सोच से संभव है बदलाव: गरीबी की कैद से बाहर निकलने के लिए केवल धन की आवश्यकता नहीं होती है। इसकी असली चाबी है सकारात्मक सोच और दृढ़ संकल्प। वे ही लोग गरीबी से बाहर निकल सके हैं, जिन्होंने सबसे पहले अपनी सोच और मानसिकता बदली। उन्होंने यह समझा कि गरीब होना स्थायी स्थिति नहीं है। वे समझते हैं कि यदि वे मेहनत करें, अपने हुनर को पहचानें और अवसरों का लाभ उठाएं, तो वे अपनी स्थिति को बदल सकते हैं।

आत्मविश्वास से बदलेंगे हालात: सोच के समृद्ध होने का मतलब केवल बड़े सपने देखना भर नहीं होता है। इसका मतलब है, हर चुनौती को अवसर के रूप में देखना और लगातार प्रयास करते रहना। साथ ही यह ठान लेना कि इस स्थिति से बाहर निकलना ही है। जब तक यह विश्वास नहीं होगा कि आप अपनी स्थिति बदल सकते हैं, तब तक कोई भी आपकी मदद नहीं कर पाएगा। इसलिए अपनी स्थिति सुधारने के लिए सबसे पहले मानसिकता बदलने की जरूरत है।

खुद पर विश्वास करना गरीबी से बाहर निकलने की पहली सीढ़ी है। जब आप यह मानेंगे कि आप बदलाव ला सकते हैं, तभी आप प्रयास करेंगे। ज्ञान और कौशल वह हथियार हैं, जिनसे आप किसी भी स्थिति से बाहर निकल सकते हैं। नए कौशल सीखें और अपने आप को बेहतर बनाने की दिशा में काम करें। अपनी सोच को सकारात्मक बनाएं। नकारात्मक विचारों को त्यागें और हर समस्या में समाधान ढूंढ़ने की आदत डालें। अगर हम अपनी सोच को सकारात्मक बनाएं, अपने आप पर विश्वास रखें और अवसरों का लाभ उठाएं, तो हम गरीबी से बाहर निकल सकते हैं। *

फैशन ट्रेंड

विवेक कुमार

अगर आप ऐसी ड्रेस चाहते हैं, जो कंफर्टेबल होने के साथ-साथ आपको फैशनेबल और ट्रेंडी लुक भी दे, तो स्पोर्ट्स वियर या एथलीजर आपके लिए परफेक्ट च्वॉइस हो सकती है।

कूल फैशन का ऑप्शन एथलीजर-स्पोर्ट्स वियर

इन दिनों युवाओं में स्पोर्ट्स वियर और एथलीजर का क्रेज सिर चढ़कर बोल रहा है। स्पोर्ट्स वियर और एथलीजर वियर ऐसी ड्रेस होती हैं, जिन्हें खासतौर से स्पोर्ट्स या जिम एक्टिविटीज के लिए डिजाइन किया जाता है। मसलन जॉगर्स, ट्रैक पैंट्स, लेगिंग्स, क्रॉप टॉप्स, हूडीज, स्नीकर्स और जैकेट्स आदि। ये ड्रेसेस डेली यूज के लिहाज से भी कंफर्टेबल और स्टाइलिश होते हैं। यह फैशन आमतौर पर युवा ही कैरी करते हैं, क्योंकि इसे कैरी करने के लिए बॉडी फिटनेस और फ्लैक्सिबिलिटी बहुत जरूरी है, तभी ये बेस्ट अपीयरेंस देती है।

क्यों बढ़ रहा है क्रेज: हाल के सालों में युवाओं में फिटनेस को लेकर क्रेज बढ़ा है, ज्यादा से ज्यादा यंगस्टर्स वर्कआउट करते हैं। आज के फिटनेस फ्रीक यंगस्टर्स ऐसी ड्रेस चाहते हैं, जो कंफर्टेबल और फैशनेबल होने के साथ-साथ उनकी फिटनेस को शो-ऑफ भी करे। ये सारी क्वालिटीज उन्हें स्पोर्ट्स और एथलीजर वियर में एक साथ मिल जाती हैं। ये ड्रेस ग्लोबल और ट्रेंडी फैशन का हिस्सा हैं। चाहे बॉलीवुड या हॉलीवुड के सितारे हों, मशहूर खिलाड़ी हों, बिजनेस टाईकून हों या किसी भी क्षेत्र के कामयाब युवा हों, वे फिट और स्मार्ट दिखने के लिए आजकल स्पोर्ट्स वियर को फैशन की तरह कैरी कर रहे हैं, इसलिए भी ये ड्रेसेस युवाओं को बहुत पसंद आ रही हैं। वे खूब चाव से इन्हें पहनते हैं।

होते हैं कंफर्टेबल-मल्टीपर्पस: एथलीजर और स्पोर्ट्स वियर हल्के, कंफर्टेबल और स्ट्रेचेबल फैब्रिक से बनाए जाते हैं। ये बॉडी के लिए ब्रिथेबल (सांस लेने योग्य) होते हैं, जिस कारण इन्हें लंबे समय तक पहना जा सकता है। साथ ही ये मल्टीपर्पस और मल्टीस्टाइल होते हैं। जिम, कैजुअल आउटिंग या ऑफिस के लिए भी ये उपयुक्त समझे जाते हैं।

हर प्राइस रेंज में अवेलेबल: मार्केट में हर प्राइस रेंज में एथलीजर और स्पोर्ट्स वियर अवेलेबल हैं। डिफरेंट ब्रांड्स और क्वालिटी के हिसाब से 500 से 1500 रुपए के लोअर रेंज, 1500 से 5000 रुपए के मिड रेंज और 5000 रुपए से शुरू होने वाले हाई-एंड रेंज में आपको ये स्पोर्ट्स वियर या एथलीजर मिल जाएंगे।

जब कैरी करें स्पोर्ट्स-एथलीजर: जब भी आप एथलीजर या स्पोर्ट्स वियर कैरी करें तो फिटिंग का ध्यान जरूर रखें। अधिक लूज स्पोर्ट्स वियर अटपटे लगते हैं। ये हमेशा फिट होने चाहिए। हालांकि इतने टाइट भी न हों कि आप असहज महसूस करें। दूसरी जो बात सबसे ज्यादा ध्यान देने की है कि आपके स्पोर्ट्स वियर का मैटीरियल क्या है? वास्तव में ये स्वेट विकिंग यानी पसीना सोखने वाला होना चाहिए और ब्रीथेबल यानी सांस लेने में योग्य तो होना ही चाहिए। स्पोर्ट्स वियर को हमेशा जितना संभव हो सादगी से पहनें। ये कैजुअल आउटिंग के लिए ही ठीक हैं। कभी फॉर्मल इवेंट में इन्हें कैरी करके न जाएं।

इन बातों का भी रखें ध्यान: न्यूट्रल और मोनोक्रोम लुक्स (जैसे-ब्लैक, व्हाइट, ग्रे) वाले एथलीजर और स्पोर्ट्स वियर इन दिनों ट्रेंड में हैं। इन्हें कैरी करते समय अपने शूज का भी ध्यान रखना जरूरी है। इनके साथ आप हमेशा क्लीन और ट्रेंडी स्पोर्ट्स शूज या स्नीकर्स ही कैरी करें। स्पोर्ट्स वियर में लेयरिंग लुक भी खूब पसंद की जाती है। लेयरिंग लुक हुडीज, जैकेट्स आदि से मिलती है। लेयरिंग लुक स्पोर्ट्स वियर के साथ बेहतरीन और स्टाइलिश कॉम्बिनेशन बनाती है। जहां तक स्पोर्ट्स वियर के साथ एक्सेसरीज की बात है तो वाच, कैप या स्लिंग बैग जैसे हल्के एक्सेसरीज स्पोर्ट्स वियर को 'वॉव' लुक देते हैं। लेकिन ओवर ड्रेसिंग से बचना चाहिए। *

खास मुलाकात

पूजा सामंत

कुछ समय पहले नेटफ्लिक्स पर 'ब्लैक वारंट' वेब सीरीज रिलीज हुई है। इसमें जेलर सुनील कुमार गुप्ता के लीड रोल में जहान कपूर नजर आ रहे हैं। बीते दौर के मशहूर अभिनेता शशि कपूर के ग्रैंडसन जहान ने इस वेब सीरीज से जुड़े एक्सपीरियंस और एक्टिंग करियर से जुड़े सवालों के जवाब दिए इस बातचीत में।

मेरी पहचान वक्त के साथ आगे बढ़ेगी: जहान कपूर

जहान कपूर ने विक्रमादित्य मोटवानी के प्रोडक्शन में बनी वेब सीरीज 'ब्लैक वारंट' में जेलर सुनील कुमार गुप्ता का किरदार बहुत ही मैच्योर तरीके से निभाया है। हाल में पृथ्वी थिएटर में जहान कपूर से बातचीत हुई। पेश है इसके प्रमुख अंश-

हालिया रिलीज वेब सीरीज 'ब्लैक वारंट' में लीड एक्टर के तौर पर आपका सेलेक्शन कैसे हुआ?

'ब्लैक वारंट' की कास्टिंग मशहूर कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबरा ने की थी, उसमें मैंने भी ऑडिशन दिया। ऑडिशन के 2-3 महीने बाद मुझे विक्रमादित्य मोटवानी के ऑफिस से कॉल आया। मैं उस वक्त मकरंद देशपांडे के निर्देशन में 'सियाचिन' नाटक में मुख्य भूमिका निभा रहा था। विक्रमादित्य सर के साथ काफी बातचीत और 2-3 मीटिंग्स के बाद मुझे जेलर सुनील कुमार गुप्ता के रोल के लिए सेलेक्ट कर लिया गया।

जेलर सुनील कुमार गुप्ता का किरदार निभाने के लिए आपको किस तरह की तैयारी करनी पड़ी?

यह वेब सीरीज एक किताब 'ब्लैक वारंट : कंफेशन ऑफ ए तिहाड़ जेलर' पर आधारित है। इसे लिखा है खुद सुनील गुप्ता और सुनेत्रा चौधरी ने। मैंने सबसे पहले इस किताब को बारीकी से पढ़ा। मेरे रोल और लुक को लेकर काफी डिस्कशंस हुए। मूंछें पतली रखी जाएं या मोटी, बालों को कैसे रखा जाए, यूनिफॉर्म पहन कर कैसी चाल होगी, मेरा चलना शुरू में कैसे होगा, बाद में कैसे होगा? हर छोटी से छोटी बात पर ध्यान दिया गया। इस कहानी में मेरे किरदार के कई पहलू हैं। सुनील गुप्ता के मेंटल स्टेजेस को प्रेजेंट करना काफी मुश्किल था, किताब पढ़ने के बाद मुझे इसमें काफी हेल्प मिली। अब जब इस वेब सीरीज में मेरी एक्टिंग की खूब तारीफ हो रही है, तो बहुत अच्छा लग रहा है। इसका श्रेय मैं इस शो की पूरी टीम को दूंगा।

जेलर सुनील गुप्ता के किरदार से आप खुद को कितना रिलेट करते हैं?

यह सच है कि एक पारिवारिक संस्कारी युवक से सुनील कैसे गाली-गलौज करने वाले जेलर बन जाते हैं, कैसे कैदियों की फांसी देखते-देखते उनका दिल डेड जैसा हार्ड हो जाता है, इसे समझना बहुत मुश्किल था। जहां तक रियल लाइफ में सुनील कुमार गुप्ता के किरदार से रिलेट करने की बात है, तो मेरा फैमिली बैकग्राउंड उनसे पूरी तरह से अलग है। सिर्फ इतना कह सकता हूं कि सुनील की तरह ही मेरा स्वभाव भी सिंपल-सोबर है। मैं भी सुनील की तरह शांतिप्रिय और पॉजिटिव इंसान हूं।

वेब सीरीज 'ब्लैक वारंट' के एक सीन में जहान कपूर

क्या आपने अभिनय में आने का निर्णय इसलिए लिया क्योंकि कपूर परिवार के ज्यादातर लोग अभिनय से जुड़े रहे हैं?

यह सच है कि हमारे परिवार का लगभग हर दूसरा सदस्य एक्टिंग से जुड़ा है, लेकिन इसी वजह से मैंने भी यही राह पकड़ी ऐसा नहीं है। मेरी मां 'शोले' फेम निर्देशक रमेश सिप्पी की पुत्री शीना सिप्पी एक जानी-मानी फोटोग्राफर और पिताजी कुणाल कपूर एक्टर के साथ पृथ्वी थिएटर के एडमिनिस्ट्रेटर हैं। मुझे जब स्कूल में दाखिल किया गया तो सभी को अहसास हुआ कि मैं डिस्लेक्सिक हूं। मुझे पढ़ने में दिक्कत हो रही थी। मेरे मम्मी-पापा ने तुरंत इसका ट्रीटमेंट शुरू करवाया, तब जाकर मैं इससे बाहर निकला। इस वजह से मेरे करियर को लेकर बहुत ज्यादा प्लानिंग नहीं हुई। दसवीं क्लास के एग्जाम्स के बाद मैं पृथ्वी थिएटर से जुड़ गया। वहां बैक-स्टेज, सेट-डिजाइनिंग से लेकर प्रोडक्शन इंचार्ज तक, मुझे जो भी काम मिलता था, मैं कर लेता था। ग्रेजुएशन करने के दौरान ही मेरी मां ने मुझे एक एड एजेंसी में काम करने भेजा। मैंने इस एड एजेंसी में कॉपी राइटिंग, को-ऑर्डिनेशन से लेकर मॉडल शूट तक हर डिपार्टमेंट में काम सीखा। इन सबके बीच 'पृथ्वी थिएटर' के नाटकों में मेरा अभिनय भी चल रहा था। इसी तरह मुझे एक्टिंग से लगाव हुआ, और निर्देशक हंसल मेहता ने मुझे अपनी फिल्म 'फराज' में मौका दिया। इस तरह फिल्मों में बतौर एक्टर मैंने करियर बनाना डिसाइड कर लिया।

क्या कपूर परिवार का होने की वजह से आप प्रेशर भी फील करते हैं?

अभिनय की दुनिया में कपूर परिवार को सौ वर्ष हो चुके हैं। मैं शशि कपूर का पोता हूं। लोग आज कहते है मुझ में दादाजी (शशि कपूर) की छवि नजर आती है, यह सुनकर मुझे अच्छा लगता है, लेकिन उन्होंने जो महारत, जो मुकाम हासिल किया, क्या मैं वो क्या हासिल कर सकता हूं? पता नहीं! जाहिर-सी बात है मुझसे भी दर्शकों को कई उम्मीदें होंगी। मेरी तुलना लोग रणबीर, करीना, करिश्मा से भी करते होंगे। लेकिन इस सच्चाई को झुठलाया नहीं जा सकता कि इंसान को आगे बढ़ने के लिए टैलेंट के साथ किस्मत का साथ होना निहायत जरूरी होता है। और इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि हर किसी की किस्मत अलग ही होती है। हाथ की पांचों अंगुलियां एक समान होती हैं क्या? प्रतिभा है, पर मौके न मिलें तो प्रतिभा कैसे उजागर होगी? मैं कपूर खानदान से जुड़ा हुआ हूं, सिर्फ इसलिए घर पर बैठे-बैठे काम का इंतजार नहीं करता रहूंगा। मैं खुद कोशिशें करता रहूंगा। ऑडिशन देता रहूंगा। मुझे पूरा यकीन है कि मेरी पहचान वक्त के साथ आगे बढ़ेगी। *

घर में वे सिर्फ मेरे दादाजी थे...

अपने दादाजी (शशि कपूर) को जहान कैसे याद करते हैं, उनकी कौन सी फिल्में उन्हें पसंद हैं पूछने पर जहान बताते हैं, 'फिल्मी पर्दे पर तो वे शशि कपूर थे, द अल्टीमेट हैंडसम हीरो। लेकिन घर में मुझे प्यार करने वाले, वे सिर्फ मेरे दादाजी थे। मेरी अंगुली पकड़ कर मुझे आइसक्रीम खिलाने ले जाते थे। अकसर मुझे और मेरी सिस्टर शायरा को इंग्लिश फिल्म दिखाने ले जाते थे। बहुत सुनहरे दिन थे वो। जहां तक उनकी फेवरेट फिल्म की बात है तो दादाजी की हर फिल्म तो मैंने देखी नहीं, लेकिन 'दो और दो पांच', 'कलयुग', 'शर्मिली', 'दीवार', 'जूनून', 'आ गले लग जा' मेरी पसंदीदा फिल्में रही हैं।'